संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -353 शुक्रवार ,25 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

एनसीपी शरद की 45 उम्मीद्वारों की पहली लिस्ट जारी

» 45 नामःअजित पवार के खिलाफ बारामती से भतीजे को टिकट...

» अनिल देशमुख कटोल सीट से लड़ेंगे...

मुंबई,24 अक्टूबर 2024 (ए)। शरद पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए गुरुवार शाम अपनी पहली लिस्ट जारी की। इसमें 45 नाम हैं।

पार्टी ने बारामती से युगेंद्र पवार को टिकट दिया है। वे चाचा अजित पवार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे। अनिल देखमुख को कटोल, जितेंद्र आव्हाड को मुंब्रा कलवा और जयंत पाटील को इस्लामपुर सीट से उम्मीदवार बनाया है।

एनसीपी शरद, कांग्रेस-शिवसेना उद्धव के साथ महाविकास अघाड़ी गठबंधन का हिस्सा है। 23 अक्टूबर को तीनों पार्टियों ने 85-85-85 सीटों पर लड़ने की घोषणा की थी।

18 सीटें आई.एन.डी.आई.ए. ब्लॉक की अन्य पार्टियों जिनमें समाजवादी पार्टी,एसडब्ल्यूपी और सीपीआई समेत दूसरे दलों को देने की बात कही गई थी। 15 सीटों पर अभी भी पेंच फंसा हुआ है।

शिवसेना की पहली लिस्ट में 65 नाम

23 अक्टूबर की शाम शिवसेना ने 65 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे को वरली से प्रत्याशी बनाया गया है। कोपरी पाचपखाडी से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के सामने केदार दिघे को टिकट दिया गया।

शिक्षा मंत्री दीपक केसरकर के खिलाफ ठाकरे गुट ने सावंतवाडी से पूर्व विधायक राजन तेली को टिकट दिया गया है। कैबिनेट मंत्री अब्दुल सत्तार के खिलाफ सिल्लोड से सुरेश बनकर को चुनाव में उतारा गया है।

शिवसेना की लिस्ट में 3 महिलाओं को टिकट दिया गया है। पांच सीटें एससी और 3 सीटें एसटी के लिए हैं। महाराष्ट्र महाविकास अघाड़ी में शिवसेना ने सबसे पहले लिस्ट जारी की है। अभी कांग्रेस और एनसीपी की लिस्ट आनी बाकी है।

महायुति में अब तक 182 नाम की घोषणा

एनसीपी अजित गुट की पहली लिस्ट में 38 कैंडिडेट के नाम महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 23 अक्टूबर को एनसीपी अजित पवार गुट ने पहली लिस्ट जारी की। इसमें 38 कैंडिडेट्स

के नाम थे। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार बारामती से चुनाव लड़ेंगे। यह बारामती लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। बारामती लोकसभा सीट शरद पवार की पारंपरिक सीट रही है।

शिवसेना (शिंदे गुट) की पहली लिस्ट, 35 उम्मीदवारों का ऐलान

22 अक्टूबर की देर रात शिवसेना (शिंदे गुट) ने 45 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की थी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कोपड़ी पाचपाखाडी से चुनाव लड़ेंगे। वहीं, मंत्री उदय सामंत को रत्नागिरी से टिकट दिया गया। एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में तत्कालीन उद्धव सरकार से बगावत की थी। भाजपा के समर्थन से वे मुख्यमंत्री बने। ऐसे में शिंदे के नेतृत्व में यह पहला विधानसभा चुनाव है।

भाजपा की पहली लिस्ट में 99 नाम

विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने 21 अक्टूबर को 99 प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी की। इनमें 6 सीटें एसटी और 4 सीटें एससी के लिए हैं। वहीं, 13 सीटों पर महिलाओं को टिकट दिया है। वहीं, 10 उम्मीदवार ऐसे हैं जो पहली बार चुनाव लड़ेंगे। मौजूदा तीन निर्दलीय विधायकों को भी टिकट दिया है।

डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम और महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले कामठी से चुनाव लड़ेंगे। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण की बेटी श्रीजया चव्हाण को भोकर और पूर्व केंद्रीय मंत्री रावसाहेब दानवे के बेटे संतोष दानवे को भोकरदन सीट से टिकट दिया गया है।

सिंगल फेज में 20 नवंबर को चुनाव, 23 नवंबर को रिजल्ट

महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को 2024 को खत्म हो रहा है। महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, भाजपा और एनसीपी अजित पवार गुट की सरकार है। एंटी इनकम्बेंसी और 6 बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी।

देश की संक्षिप्त खबरें

डोंगरगढ़-कबीरधाम-मुंगेली-कटघोरा रेलमार्ग के लिए 300 करोड़ स्वीकृत

रायपुर,24 अक्टूबर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 20वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न खनिज परियोजनाओं एवं अधोसंरचना हेतु राशि स्वीकृत की गई। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में अधिकारियों से खनिज विकास निधि सलाहकार समिति के पूर्व निर्णय सहित राशि के उपयोग के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने निधि में उपलब्ध राशि को दृष्टिगत रखते हुए प्रदेश में वृहद अधोसंरचना निर्माण की परिकल्पना पर विचार किए जाने के निर्देश दिए।

पीएम सूर्यघर योजना से 300 यूनिट मुफ्त बिजली

» प्रदेश में लगाए जाएंगे 5 लाख घरों में रूफटाप सोलर प्लांट

रायपुर,24 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चयनित

कनिष्ठ यंत्रियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने विद्युत कर्मियों को 12 हजार रूपये तक बोनस/एक सग्े सिया। दीपावली के पूर्व देने की घोषणा की। साथ ही 'मेरा घर-पीएम सूर्यघर' जनजागरण अभियान की शुरूआत की। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में वर्ष 2027 तक 5 लाख घरों में रूफटाप सोलर प्लांट लगाने का लक्ष्य दिया।

रेरा ने 412 बिल्डर्स को जारी किया नोटिस

रायपुर,24 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) द्वारा अधिनियम के प्रावधानों का पालन में चूक करने वाले 412 बिल्डर्स को नोटिस जारी किया गया है। संबंधित बिल्डर्स द्वारा समय पर त्रैमासिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण रिपोर्ट, प्रस्तुत नहीं किया गया है। कुछ प्रोजेक्ट्स निर्धारित समयावधि के बाद भी पूर्ण नहीं हुए है उन्हें भी नोटिस दिया गया है।

85 विमानों को मिली बम से उड़ानें की धमकी

» एअर इंडिया के 20 तो अकासा की 25 फ्लाइट शामिल

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2024 (ए)। देश में विमानों को बम से उड़ाने की धमकियों का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। ताज़ा मामले में 85 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिनमें प्रमुख एयरलाइनों के विमान शामिल हैं। इन धमकियों में एअर इंडिया के 20, इंडिगो के 20, विस्तारा के 20 और अकासा एयर के 25 विमानों को निशाना बनाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, पिछले आठ दिनों में दिल्ली पुलिस ने 90 से अधिक घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकियों के संबंध में आठ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। धमकी भरे संदेशों में अकासा, एअर इंडिया, इंडिगो और विस्तारा की

फ्लाइट्स को शामिल किया गया है। ये उड़ानें दिल्ली से विभिन्न घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए संचालित होती हैं। दिल्ली पुलिस के अनुसार, इन धमकियों को गंभीरता से लिया जा रहा है और जांच लगातार जारी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि ज्यादातर धमकियां सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से आई हैं।

साइबर सेल कर रही है जांच

दिल्ली पुलिस की साइबर सेल इन मामलों की जांच में जुटी हुई है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर धमकी भरे संदेश पोस्ट करने वाले खातों की जानकारी जुटाई जा रही है। इस संबंध में पुलिस ने 'एक्स' को पत्र भेजकर धमकी देने वाले अकाउंट्स की जानकारी मांगी है। इस घटना के बाद से, पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नजर रखनी शुरू कर दी है। एक हफ्ते से भी कम समय में 170 से अधिक विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल चुकी हैं, जिससे हवाई यात्रियों में डर का माहौल है।

सरकार की तैयारी

लगातार मिल रही इन धमकियों को देखते हुए सरकार भी सतर्क हो गई है और एयरलाइनों को सुरक्षित रखने के लिए विशेष विधायी कार्रवाई की योजना बना रही है। इस योजना में धमकी देने वाले अपराधियों को 'नो-फ्लाई लिस्ट' में डालने की संभावना भी शामिल है, जिससे वे हवाई यात्रा करने से वंचित हो सकते हैं।सरकार और सुरक्षा एजेंसियां लगातार धमकियों से निपटने के लिए तैयार हैं और हवाई अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा किया जा रहा है। हवाई यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा बल पूरी तरह से सतर्क हैं और सभी संभावित खतरों से निपटने की तैयारी कर रहे हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आज छत्तीसगढ़ आगमन

कई कार्यक्रमों में करेंगी शिरकत

नई दिल्ली/रायपुर,24 अक्टूबर 2024 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास पर रहेंगी। उनके दौरे का मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी किया गया है। राष्ट्रपति 25 अक्टूबर को रायपुर पहुंचेंगी और 26 अक्टूबर की शाम दिल्ली लौटेंगी। इस दौरान वे रायपुर और भिलाई में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आज का कार्यक्रम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 25 अक्टूबर को सुबह 11 बजे रायपुर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगी। इसके बाद, सुबह 11:30 बजे वे रायपुर एम्स के दूसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद, दोपहर 1 बजे वे एम्स से रवाना होकर राजभवन पहुंचेंगी। फिर, दोपहर 3 बजे एनआईटी रायपुर के 14वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगी। शाम 4:30 बजे नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन में स्थानीय आदिवासी समुदाय से मुलाकात का कार्यक्रम है। शाम 6 बजे राष्ट्रपति राजभवन लौटकर रात्रि विश्राम करेंगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कल का कार्यक्रम

दूसरे दिन, 26 अक्टूबर को राष्ट्रपति मुर्मू सुबह 9 बजे विवेकानंद सरोवर,रायपुर का दौरा करेंगी। इसके बाद, वे सुबह 10 बजे रायपुर एयरपोर्ट से भिलाई के लिए प्रस्थान करेंगी। सुबह 11 बजे वे आईआईटी भिलाई के चौथे दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। फिर, दोपहर 1:30 बजे भिलाई से रवाना होकर वे दोबारा राजभवन, रायपुर पहुंचेंगी। दोपहर 3:30 बजे राष्ट्रपति पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति चिकित्सा एवं आयुष विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगी। कार्यक्रम के समापन के बाद, शाम 5 बजे राष्ट्रपति मुर्मू रायपुर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

ट्रैफिक पुलिस ने वसूले दुकानदारों से पैसे

» एसपी को पता चलने पर उन्हें हटा दिया गया

बिलासपुर,24 अक्टूबर 2024 (ए)। ट्रैफिक थाने में पदस्थ सिपाही लोगों को चालान का डर दिखाकर देवकीनंदन चौक के पास लोगों से वसूली करने लगा। कई लोगों से उसने आनलाइन रुपये ट्रांसफर कराए। इसके लिए उसने सड़क किनारे दुकान लगाने वालों के स्केनर का उपयोग किया। वसूली के बाद जाते समय व्यापारियों से नगद रुपये ले लिए।

शिकायत मिलने पर एसपी रजनेश सिंह ने जांच के आदेश दिए हैं।ट्रैफिक थाने में पदस्थ सुशील पांडेय की ड्यूटी बुधवार को देवकीनंदन चौक पर थी। ड्यूटी के दौरान उसने कई लोगों को रोककर चालान का डर दिखाया। इसके बाद उसने लोगों से रुपये मांगे। कई लोगों ने रुपये नहीं होने की बात कही। इस पर उसने सड़क किनारे दीये और फूल

बेचने वालों के स्केनर का उपयोग कर रुपये देने कहा। चालान के डर से लोगों ने रुपये भी दे दिए। वसूली के इस पूरे खेल का किसी ने वीडियो बना लिया।

महिला ने बताया दिनभर में पांच हजार की करता है वसूली

देवकीनंदन चौक पर दुकान चलाने वाली महिला ने बताया कि आरक्षक सुशील पांडेय की महीने भर से ड्यूटी लगी हुई है। सुबह से लेकर शाम तक वह लोगों को रोककर चालान का डर दिखाता। इसके बाद उनसे रुपये की मांग करता। कई लोग रुपये नहीं होने की बात कहते तो महिला के पेटीएम में रुपये भेजने कहता। इसके साथ ही वह फूल वाले और अन्य दुकान संचालकों के पेटीएम में रुपये भेजने के लिए दबाव बनाता। एक दुकान संचालक सुजीत ने भी बताया कि वह उनके पेटीएम में रुपये डालने के लिए कहा। ड्यूटी खत्म होने के बाद वह व्यापारियों से नगद लेकर चला जाता है।

दीपक बैज और भूपेश बघेल के बीच तकरार

आकाश शर्मा की रैली में दिखे नजर अंदाज करते

रायपुर,24 अक्टूबर 2024(ए)। रायपुर दक्षिण से कांग्रेस प्रत्याशी आकाश शर्मा की रैली के दौरान दीपक बैज भूपेश बघेल को नजर अंदाज करते दिखे। रैली वाहन में चढ़ने के दौरान बैज ने भूपेश बघेल का हाथ नहीं पकड़ा, भूपेश बघेल उन्हें ऊपर चढ़ाने के लिए हाथ आगे बढ़ाए थे। भूपेश ने महंत को भी हाथ देकर ऊपर चढ़ाया था। नामांकन से पहले आज सुबह आकाश शर्मा ने महामाया मंदिर में पूजा की। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

भिलाई के ठग डॉक्टर का एक और कारनाम

» रिटायर बीएसपी कर्मियों से ठगे 200 करोड़ रुपए, किया ये काम

भिलाई,24 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में अपोलो बीएसआर अस्पताल के संस्थापक शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एमके खंडूजा पर 200 करोड़ की ठगी का गंभीर आरोप लगा है। कहा जा रहा है कि उन्होंने बीएसपी के रिटायर कर्मचारियों को अच्छे ब्याज का लालच देकर उनसे लाखों रुपये बी एसआर हेल्थ वेंचर में निवेश कराया। फिलहाल, वह रूंगटा से 19 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में जेल में हैं। डॉ. खंडूजा ने बीएसपीके 304 कर्मचारियों से 80 करोड़ रुपये, रुंगटा ग्रुप से लगभग 20 करोड़ रुपये और दुर्ग,

राजनांदगांव, रायपुर सहित कई जिलों के व्यापारियों और डॉक्टरों से लगभग 100 करोड़ रुपये ठग लिए हैं। उनका करियर बीएसपीमें नौकरी से शुरू हुआ, जहां उन्होंने अपनी अच्छी पकड़ बनाई। बाद में, उन्होंने नौकरी छोड़कर पावर हाउस में एक छोटा सा क्लीनिक खोला।

दोस्त ने नाबालिग दोस्त को जिंदा जलाया

» नशे में दुकान के सामने पेशाब करने का मामला...

जशपुर,24 अक्टूबर 2024(ए)। जिले के डुडुगजोर गांव में एक नाबालिग द्वारा नशे की हालत में एक मूकबधिर युवक पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगाने की गंभीर घटना सामने आई है। झुलसे युवक को गंभीर अवस्था में रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां कई दिनों तक तड़पने के बाद आज इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।घटना की पुष्टि करते हुए पुलिस कप्तान जशपुर

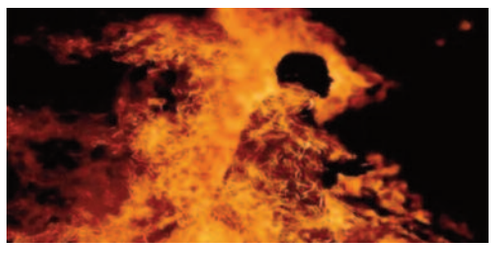

शशिमोहन सिंह ने बताया कि 17 अक्टूबर प्रेमसाय राठिया अपने नाबालिग दोस्त के साथ कथित रूप से शराब पिया और नाटक देखने के बाद अपने रिश्तेदार के घर रुका था। दूसरे दिन सुबह को शराब के नशे में उसने नाबालिग दोस्त के दुकान के सामने पेशाब कर दिया और वहीं सो गया। इस पर नाबालिग आरोपी ने गुस्से में आकर दुकान से पेट्रोल निकाला और अपने दोस्त के शरीर पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया।जिसे पत्थलगांव से ईलाज के लिए रायपुर मेकाहारा अस्पताल ले जाया गया। जहां आज 23 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई।

जहरीले सांप का आतंक

» शाम ढलते ही नागिन शुरू कर देती है इंतकाम...

» 5 दिन में 5 लोगों को डसा 3 की हुई मौत...

हापुड,24 अक्टूबर 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में एक रहस्यमयी सांप को लेकर सदरपुर गांव में हड़कंप मचा हुआ है। रहस्यमयी सांप गांव वालों पर अंधेरा होने पर हमला करता है और फिर गायब हो जाता है। सांप ने अब तक पांच लोगों को डसा है, जिसमें से तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं इस घटना के बाद गांव के लोगों में डर का माहौल बना है।जानकारी के अनुसार मेरठ से हापुड़ पुलिस ने 11 हजार रूपये में सपेरे बुलाए जो बीन बजाकर जहरीले सांप को पकड़ने गांव पहुंची सपेरों की टीम घंटों सर्च ऑपरेशन चलाने के बाद भी हाथ नहीं आया जहरीला सांप। यह मामला बहादुरगढ़ थाना क्षेत्र के सदरपुर का है ।

संपादकीय

रूस की युद्ध मशीन को ताकत मिली

भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकों का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया है। भारत से हुए निर्यात में माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन-टूल्स शामिल हैं। पश्चिम का आरोप है कि इन वस्तुओं से रूस की युद्ध मशीन' को ताकत मिली है।इस खबर को पश्चिम में खूब तव्वजो मिली है और इस पर पश्चिमी राजनयिकों की तीखी प्रतिक्रिया फिर सामने आई है। खबर है कि भारत रूस को प्रतिबंधित तकनीकों' का निर्यात करने वाला चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। भारत ने जिन वस्तुओं का निर्यात बढ़ाया है, उनमें माइक्रोचिप, सर्किट और मशीन-टूल्स शामिल हैं। पश्चिमी राजनयिकों का आरोप है कि इन निर्यातों से रूस की युद्ध मशीन' को ताकत मिली है। यह खबर प्रकाशित होने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इससे जुड़ी चिंताएं फिर से भारतीय अधिकारियों के सामने उठाई जाएंगी।खबरों के मुताबिक भारत के जरिए रूस तक निर्यातों के पहुंचने के सवाल पर हाल के महीनों में अमेरिका और यूरोपियन यूनियन के अधिकारियों ने अपना खास ध्यान केंद्रित किया है। अधिकारियों ने मीडिया से कहा है कि उन्हें और भी ज्यादा नाराजगी इस पर हुई है कि जब कभी उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं, भारतीय अधिकारियों ने उन पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। इस कारण ही हाल में रूस से कारोबार करने वाली कई भारतीय कंपनियों पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं। फिलहाल भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस बारे में कुछ कहने से इनकार किया है। लेकिन यह साफ है कि सभी पक्षों से रिश्ता रखने' की भारत सरकार की नीति अब पश्चिमी देशों को खासा चुभने लगी है। उनके रुख में एक तरह की तल्खी भी देखी जा रही है। इसे संभवतः कई माध्यमों से वे जता भी रहे हैं।यह साधारण बात नहीं थी कि पिछले महीने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका में थे, तभी उग्रवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू के गुट की बात सुनने के लिए उसके नुमाइंदों को ह्वाइट हाउस आमंत्रित किया गया। उधर पूर्व एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान जब मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से मिले, तो ट्रूडो ने खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अपना भारत विरोधी रुख पूरी उग्रता के साथ जताया। मुमकिन है कि रूस को निर्यात और पन्नू- निज्जर विवाद में आपसी संबंध देखना उचित ना हो, लेकिन पश्चिम के रुख में भारत के प्रति बढ़ती तल्खी साफ है।

मणिपुर की जातीय हिंसा,अधिकारियों की अग्नि परीक्षा

प्रियंका सौरभ
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान-प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफ़रत फैलाने वाले भाषण,प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है। मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में स्टील फ्रेम के लचीलेपन को मज़बूत करती है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा 3 मई, 2023 को भड़क उठी। इस संघर्ष में 200 से अधिक मौतें हुईं और 60, 000 लोग विस्थापित हुए। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष की जड़ें मणिपुर के जातीय और ऐतिहासिक संदर्भ में गहराई से जुड़ी हुई हैं। मुख्य रूप से घाटी क्षेत्रों में रहने वाले मेइतेई और पहाड़ी जिलों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच लंबे समय से सामाजिक-राजनीतिक और भूमि सम्बंधी विवाद हैं। राजनीतिक सत्ता, भूमि और सरकारी संसाधनों के लिए प्रतिस्पर्धा ने इन समुदायों के बीच तनाव बढ़ा दिया है। आरक्षण, भूमि स्वामित्व और स्वायत्तता से सम्बंधित नीतियाँ इस टकराव के केंद्र में हैं। आदिवासी और गैर-आदिवासी समूहों को वर्गीकृत करने की ब्रिटिश काल की नीतियों ने विभाजन पैदा किया जो आज भी गूंजता है।

कानून-व्यवस्था की स्थिति तेजी से बिगड़ गई, सांप्रदायिक तनाव बढ़ गया और हिंसक घटनाएँ सामने आईं। सांप्रदायिक विभाजन ने अखिल भारतीय सेवाओं (एआईएस) अधिकारियों के कामकाज को गहराई से प्रभावित किया, जिससे उनके बीच भौगोलिक और मनोवैज्ञानिक बाधाएँ पैदा हुईं, संघर्ष के कारण पहाड़ी और घाटी जिले दुर्गम हो गए। वर्तमान स्थिति सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा परिकल्पित स्टील फ्रेम के लिए ख़तरा है, जिसमें अखिल भारतीय सेवाएँ भारत की प्रशासनिक मशीनरी की रीढ़ हैं। हिंसा और जातीय विभाजन के कारण एस्प्रिट डे कॉर्प्स (अधिकारियों के बीच एकता और आपसी सम्मान) तनाव में है, जिससे अधिकारियों के बीच सहयोग और विश्वास कमजोर हो रहा है। संघर्ष ने एआईएस अधिकारियों के बीच पारस्परिक सम्बंधों पर गहरा प्रभाव डाला है, सामाजिक आदान-प्रदान और सहयोग दुर्लभ हो गए हैं। नफ़रत फैलाने वाले भाषण, प्रचार और ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से सार्वजनिक चर्चा के ध्रुवीकरण ने रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है, जिससे विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के अधिकारियों के लिए एक साथ काम करना मुश्किल हो गया है।

मनोवैज्ञानिक युद्ध, दुष्प्रचार और आर्थिक व्यवधान जैसे गैर-गतिशील तत्वों ने मणिपुर में तनाव को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाइब्रिड युद्ध के हिस्से के रूप में इन युक्तियों ने जनता के मनोबल और शासन में विश्वास को कम कर दिया है, जिससे कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार आईएएस और अन्य सेवाओं के लिए एक महत्त्वपूर्ण चुनौती पैदा हो गई है। विभिन्न जातीय पृष्ठभूमि के सिविल सेवकों को अपनी जातीय पहचान के साथ अपने पेशेवर कर्तव्यों को संतुलित करने में दुविधाओं का सामना करना पड़ता है। सामुदायिक अपेक्षाओं और वफादारी का दबाव बनाम प्रशासनिक तटस्थता बनाए रखने की आवश्यकता एक महत्त्वपूर्ण नैतिक चुनौती प्रस्तुत करती है। कई अधिकारियों को उनकी जातीयता के कारण व्यक्तिगत सुरक्षा खतरों का सामना करना पड़ता है। सरकारी अधिकारियों को भीड़ द्वारा निशाना बनाए जाने और सुरक्षा की आवश्यकता की रिपोर्टें उनके सामने आने वाले गंभीर खतरों को रेखांकित करती हैं। इससे मनोवैज्ञानिक तनाव पैदा हो गया है और उनके कर्तव्यों को पूरा करने की क्षमता में बाधा उत्पन्न हुई है। दुष्प्रचार, घृणास्पद भाषण और भड़काऊ सामग्री फैलाने में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की भूमिका ने संघर्ष को बढ़ा दिया है। हिंसा और भड़काऊ भाषणों के वीडियो ने समुदायों को और अधिक ध्रुवीकृत कर दिया है, जिससे नागरिक अधिकारियों के लिए कहानी को प्रबंधित करना मुश्किल हो गया है। चुनौतियों के बावजूद, मणिपुर संघर्ष को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) जैसे संस्थानों द्वारा अनुसंधान और दस्तावेज़ीकरण के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। इस मामले के आधार पर संघर्ष प्रबंधन, सुलह और प्रशासनिक तटस्थता पर प्रशिक्षण मॉड्यूल और क्षमता-निर्माण कार्यशालाएँ विकसित की जा सकती हैं। इस तरह के केस अध्ययन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर जातीय केंद्रित संघर्षों से निपटने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे, जो संघर्ष क्षेत्रों में शासन की शैक्षणिक और व्यावहारिक समझ में योगदान देंगे।

वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की अवैयक्तिक प्रकृति का लाभ संघर्षग्रस्त राज्य में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए किया जा सकता है। बैचमेट्स के बीच पेशेवर टीम भावना और राष्ट्रीय एकीकरण के एजेंट के रूप में एआईएस अधिकारियों की तटस्थ भूमिका संघर्षों को हल करने के लिए एक लचीला ढांचा प्रदान करती है। शांति-निर्माण प्रयासों में अधिकारियों को शामिल करने के लिए नवीन कार्मिक प्रबंधन नीतियों का कार्यान्वयन। विभिन्न जातीय समुदायों के अधिकारियों के बीच नियमित आभासी बैठकें बेहतर सम्बंधों को बढ़ावा दे सकती हैं और संघर्ष से उत्पन्न मनोवैज्ञानिक अलगाव को कम कर सकती हैं। इस तरह के उपाय मणिपुर में उभरे प्रशासनिक सिलोस को तोड़ने में मदद कर सकते हैं, सिविल सेवाओं के भीतर बेहतर सहयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं और शांति प्रक्रिया में योगदान दे सकते हैं। यह संघर्ष भारत में संघीय एकता के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। संचार चैनलों को मज़बूत करने और राज्य और केंद्र सरकारों के बीच साझा जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने से भविष्य के संकटों को कम करने में मदद मिल सकती है।

मणिपुर में जातीय हिंसा ने गहरे जड़ें जमा चुके सांप्रदायिक संघर्षों से निपटने में भारत की प्रशासनिक प्रणाली की कमजोरी को उजागर कर दिया है। हालाँकि यह स्थिति अखिल भारतीय सेवाओं की अखंडता के लिए गंभीर चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, यह संघर्ष-ग्रस्त क्षेत्रों में शासन के दृष्टिकोण पर पुनर्विचार और सुधार करने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है। क्षमता निर्माण, अनुसंधान और नवीन नीति उपायों पर ध्यान केंद्रित करके, आईएएस और अन्य सेवाएँ संकट को एक सीखने के अनुभव में बदल सकती हैं जो भविष्य के संघर्षों में स्टील फ्रेम के लचीलेपन को मज़बूत करती है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

उमर अपनी बात पर कितना खरा उतरते हैं ?

चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता। यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं? उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्रीनगर में आयोजित कार्यक्रम में उप-राज्यपाल (एल.जी.) मनोज सिन्हा ने उमर के साथ पांच मंत्रियों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई। उमर की पार्टी से सुरिंदर चौधरी उप-मुख्यमंत्री, तो निर्दलीय सतीश शर्मा मंत्री बनाए गए है। यह एक अच्छी शुरूआत है। परंतु प्रश्न उठता है कि मुस्लिम बाहुल्य प्रदेश में एक हिंदू मुख्यमंत्री क्यों नहीं बन सकता? यह स्थिति तब है, जब देश में ऐसे कई उदाहरण है, जहां हिंदू प्रधान राज्यों- केरल, महाराष्ट्र, असम, राजस्थान, बिहार, मणिपुर, पुडुचेरी और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री मुस्लिम और ईसाई समाज से भी रहे है। यही नहीं, हिंदू बहुल भारत में कई गैर-हिंदू राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति और राज्यपाल भी बन चुके है। सत्तारुढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एन.सी.) ने अपने घोषणापत्र में जो 12 वादे किए है, उनमें सूबे में धारा 370-35ए और राज्य के दर्जे को बहाल करने के साथ कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी का वादा भी शामिल है। मोदी सरकार ने इस बात को कई बार दोहराया है कि वह जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को बहाल करने को प्रतिबद्ध है। इस सच्चाई से उमर भी अवगत है कि एल.जी. के पास कई शासकीय शक्तियां है और केंद्र के सहयोग बिना, कई काम (राज्य दर्जा सहित) पूरे नहीं हो सकते।जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त, देश में सात और राज्य-अंडमान-निकोबार, चंडीगढ़, दादरा-नगर हवेली दमन-दीव, दिल्ली, लद्दाख, लक्षद्वीप और पुडुचेरी केंद्र शासित है। वर्तमान समय में संभवतः दिल्ली ही एकमात्र ऐसा केंद्र शासित प्रदेश है, जहां की निर्वाचित सरकार और एल.जी. के बीच संबंध तल्ख है। इस संदर्भ में क्या जम्मू-कश्मीर की स्थिति दिल्ली जैसी हो सकती है?कांग्रेस की दिवंगत नेत्री शीला दीक्षित 1998-2013 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही थी। यदि केंद्र सरकार में उनकी पार्टी के नेतृत्व को छोड़ दें, तब मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित की 1998-2004 के कालखंड में राजनीतिक मतभेदों के बाद भी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी सरकार की अगुवाई में भाजपा नीत केंद्र सरकार से कोई तनातनी नहीं थी। इसमें बदलाव अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप') की सरकार (2013 से अबतक) बनने के बाद आया, जो समन्वय के स्थान पर टकराव से देश की राजधानी में सरकार चला रही है। इस प्रकार की अराजकतावादी राजनीति कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी की देन है, जिन्होंने बिना वर्ष 2013 में किसी मंत्रिपद के अपनी ही सरकार के एक अध्यादेश को प्रेस-कॉन्फ्रेंस में फाड़कर फेंक दिया था और अब प्रधानमंत्री मोदी के लिए अमर्यादित शब्दों का उपयोग करते है।ऐसा नहीं है कि दिल्ली में एल.जी. और आप' के बीच तनातनी मई 2014 के बाद मोदी सरकार में प्रारंभ हुई है। कांग्रेस नीत केंद्र सरकार द्वारा एल.जी. बनाए गए नजीब जंग (2013-16) के साथ भी आप' सरकार का रवैया कटु था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उमर अब्दुल्ला को प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से अपनी पार्टी जैसा आचरण अपनाने का मशविरा दिया है। बकौल मीडिया रिपोर्ट, चुनाव जीतने के तुरंत बाद उमर ने स्पष्ट कर दिया था, हमें केंद्र के साथ समन्वय बनाकर चलने की जरूरत है। जम्मू-कश्मीर के कई मुद्दों का समाधान केंद्र से लड़ाई करके नहीं हो सकता।ज यह देखना रोचक होगा कि मुख्यमंत्री उमर अपनी इस बात पर कितना खरा उतरते हैं?एक पुराना मुहावरा है- हाथी के दांत खाने के और दिखाने के और। क्या सच में सत्तारुढ़ एन.सी. अस्थायी धारा 370-35ए की वापसी चाहती है? अब्दुल्ला परिवार (फारुख-उमर) राजनीति में परिपक्व है। एक तो उन्हें मालूम है कि अब केंद्र में किसी भी दल की सरकार रहे, इन दोनों धाराओं की वापसी लगभग नामुमकिन है। सर्वोच्च अदालत की संवैधानिक पीठ भी लंबी सुनवाई के बाद धारा 370-35ए के संवैधानिक परिमार्जन को हरी झंडी दे चुकी है। दूसरा यह कि इन दोनों प्रावधानों से क्या वाकई जम्मू-कश्मीर का कोई भला हुआ था? सच तो यह है कि धारा 370-35ए से कश्मीर की न केवल प्रगति रुक गई थी, बल्कि पाकिस्तान के सहयोग-वित्तपोषण से घाटी मध्यकालीन युग की ओर लौटने लगी थी।क्या यह सच नहीं कि धारा 370-35ए के सक्रिय रहते- घाटी में सभी आर्थिक गतिविधियां कुंद थी, विकास कार्यों पर लगभग अघोषित प्रतिबंध था, सेना-पुलिसबलों पर लगातार पत्थरबाजी होती थी, पर्यटक घाटी आने से कतराते थे, अलगाववादियों द्वारा मनमर्जी बंद बुला लिया जाता था, सिनेमाघरों पर ताला था, ईमानदारी से विश्लेषण करने के बाद इस बात को धारा 370-35ए के पैरोकार भी नहीं झुठला सकते कि इन दोनों धाराओं की समाप्ति के बाद जम्मू-कश्मीर शेष भारत की तरह पिछले पांच वर्षों से गुलजार है।

-बलबीर पुंजबकौल-

राष्ट्र किसी व्यक्ति विशेष की धरोहर नहीं है

घटती-घटना
प्रफुल्ल सिंह
लखनऊ उत्तरप्रदेश

राष्ट्र से व्यक्ति है, व्यक्ति से राष्ट्र है। दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। राष्ट्र मात्र एक भौगोलिक इकाई नहीं; समरूप, समकक्ष, एक समान दिखने वाले कुछ जीवों का संगठन मात्र नहीं; अन्य प्रकार के इंसानों से द्वेष/प्रतिद्वंदिता/शत्रुता रखने वालों का समुदाय नहीं; वस्तुतः, राष्ट्र एक भावना है जो भिन्न परिस्थितियों में समयानुसार गोचर होती रही है। तथापि,अलग-अलग लोगों ने निज-मतानुसार राष्ट्र को परिभाषित किया है। किसी के लिए प्रकृति प्रदत्त उपहार वर्गीकरण का आधार बने तो किसी के लिए समस्त सजीव समुदाय; किसी ने मानव मात्र को प्रधान माना तो किसी ने जड़-चेतन को एक सूत्र में पिरोया; किसी ने समर्थवान का सान्निध्य चाहा तो किसी ने पीड़ित की संवेदना से साम्य स्थापित किया। समय के धरातल पर भिन्न-भिन्न मत विकसित हुए और लोगों ने (परिस्थिति की गहनता के वशीभूत) एकमत होकर राष्ट्र को विभिन्न रूपों को तत्कालीन परिवेश में स्वीकार किया। अद्य, एक आम इंसान अपनी जन्मभूमि को राष्ट्र के नाम से संबोधित करता है।

अन्य कहीं की नागरिकता लेने की बात और है, किंतु आजीविका अर्जन हेतु अपने राष्ट्र (जन्मभूमि) को त्यागकर परदेश में रहने वाले की धड़कनें चंद क्षणों के लिए तीव्र हो जाती हैं, जब वह विदेश में किसी परदेशी से अपनी जन्मभूमि की प्रशंसा सुनता है। कुछेक दशकों पहले परदेश में भारत भूमि की अनुशंसा करने वाला कदाचित ही कोई इक्का-दुक्का मिल पाता था, वह भी चंद यादों के सहारे भारत के बारे में कुछ शब्द कह दे वही बहुत होता था। वर्तमान में भारत भूमि की महत्ता किसी भी देशी-विदेशी भूखंड पर किसी परिचय के लिए अवलंबित नहीं है। भारतीयता की चिरपरिचित सुगंध चहुँओर फैल रही है। नव भारत के पुनरोद्भव के कारकों यथा राजनैतिक/कूटनीतिक सक्षमता; स्पष्टवादिता; कर्मठता; शैलेय संकल्प इत्यादि सर्वत्र विदित हैं।

अपने ऐतिहासिक धरोहरों पर विश्वास करके व अपनी जड़ों को पुनः टटोलकर भारत पुनः अपने नवीनीकरण के दौर से गुजर रहा है। पुनरुत्थान की यह संजीवनी किसी भूधर से नहीं आई है, न ही किसी अन्य ग्रह/उपग्रह इसे से लाया गया है, अपितु भारतीय जनमानस ने दशक पूर्व चुनाव कर इसे अपने प्रारब्ध में प्रतिरोपित किया था।

प्रजातंत्र का महत्व इसके परिवर्तन की प्रवृत्ति के कारण है। परिवर्तन उचित हो तो पीढ़ियाँ सँवर जाती हैं, अनुचित परिवर्तन सत्यानाश का कारण बनता है। भारतभूमि प्रजातंत्र की जननी है। 'जनपदों' 'महाजनपदों' के दौर में तरुणाई को प्राप्त भारतीय प्रजातंत्र के अंकुरण के प्रमाण सहस्राब्दियों पूर्व 'सैंधव समाज' में भी स्पष्टतः दिखाई देते हैं। आर्यों ने वर्ण व्यवस्था के सामाजिक नियमों द्वारा इसे एक मानक स्वरूप प्रदान किया। समयरेखा पर कभी मद्धिम तो कभी प्रखर रूप में अंकित प्रजातंत्र के विभिन्न चित्र सदा-सर्वदा से भारतीय जनगण को एकात्म करने के सर्वाधिक महत्वपूर्ण, चर्चित और प्रभावी उपकरण रहे हैं। प्रजातंत्र को उद्भूत करने वाली भारत भूमि 'राष्ट्र' को सर्वाधिक मान्य एवं लोकप्रिय रूप में परिभाषित करती है। कालांतर में अनेक कवियों और रचनाकारों ने कालांतर में अपनी क्षमतानुसार भारत भूमि का वंदन किया है। ये गौरवान्वित होने का विषय है कि हमसब भारतीय हैं।

कविता
यदि जीभ सोचती तो...

घटती-घटना
गरिमा राकेश गौतम
कोटा(राजस्थान)

वैसे तो जीभ बोलती हैं
पर यदि ये सोचती होती
तो सोचती कि. .....
कितना बोलता है इंसान
भला -बुरा न जाने क्या -क्या
मुझसे कहलवा जाता है इंसान।
ईर्ष्या ,नफरत से भरा हो,
पर मुझसे मिश्री सी बातें कहलवाता है ।
हँसी, मजाक कभी यूँ ही बेमतलब
बोलता जाता है ।
ईश भजन तो ये मुझसे
मतलब से करवाता है ।
वरना ये तो हर समय मुझसे
स्वार्थ ही पूर्ण करवाता है ।
बोलती तो मैं हूँ पर
सोचती हूँ कि. .....
ये दोहरा व्यक्तित्व कैसे
जी लेता है इंसान।

पीएम इंटर्नशिप योजना करके सीखने के विचार का लोकतंत्रीकरण

कल्पना कीजिए रीना (काल्पनिक नाम) के बारे में, जो देश के तीसरी श्रेणी के एक शहर के एक राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक है। उसके कॉलेज में कोई प्लेसमेंट सेल नहीं है और शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, शिक्षा प्राप्ति के बाद के उसके विकल्प सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी, पड़ोस के स्कूल में पढ़ाने (जिसके लिए उसके पास योग्यता हो भी सकती है और नहीं भी) या शादी कर लेने तक ही सीमित हैं। कुल मिलाकर, देश के एक तिहाई युवाओं (15-29 वर्ष की आयु के) और आधी से अधिक युवतियों की उपस्थिति शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में नहीं हैं । यही नहीं, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग किसी निजी कंपनी द्वारा नौकरी पर रखे जाने से कोसों दूर है। इस संदर्भ में, हाल ही में शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) युवा सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा समर्थित एक बाजार-आधारित और युवाओं द्वारा संचालित समाधान पेश करती है।पीएमआईएस को युवाओं के एक विशिष्ट समूह को शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कम आय वाले परिवारों के 21-24 वर्ष की आयु और मैट्रिक से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए, आदि को छोड़कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। साथ ही, आकस्मिक व्यय के लिए अतिरिक्त 6000 रूपये भी दिए जाते हैं। इस योजना के प्रायोगिक चरण का लक्ष्य 2024 में 1.25 लाख युवाओं को लाभान्वित करना है, जबकि पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य है। इस योजना के तहत खर्च के लिए कंपनियां अपने सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकती हैं।लंबे समय से इंटर्नशिप को युवा उम्मीदवारों और नियोक्ताओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद एक व्यवस्था के रूप में जाना जाता रहा है। शिक्षा से जुड़े शोधकर्ताओं और शिक्षण से संबंधित वैज्ञानिकों ने कार्य-आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोलब्स, जॉन डेवी, कर्ट लुईस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभवात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटर्नशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।युवा उम्मीदवारों के लिए, पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप न केवल अवसर हैं बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटर्नशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जूझना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई-मेल से जुड़ा शिष्टाचार,कंप्यूटर व एमएस ऑफिस का उपयोग करना या विश्वसनीय एवं सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने जैसी बुनियादी चीजें शामिल हैं। देश के प्रमुख संस्थानों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में जहां इंटर्नशिप प्रचलन में है, वहीं कैरियर संबंधी परामर्श एवं नौकरी-उन्मुख नेटवर्किंग की कमी के कारण राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में, यह एक असामान्य चीज बनी हुई है। इन्हीं राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में अधिकांश युवा पढ़ते हैं। इस तरह, पीएमआईएस के जरिए बड़े पैमाने पर प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप गैर-मेट्रो शहरों के युवाओं के लिए समान अवसर प्रदान करती है और संभावित प्लेसमेंट के लिए दरवाजे खोलने का काम करती है। व्यक्तिगत स्तर पर, नई मिली आर्थिक आजादी आत्मविश्वास बढ़ाती है और युवा प्रतिभाओं को बेहतर करने और ऊंचे लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित करती है। युवतियों के मामले में, आर्थिक आजादी और आत्म-मूल्य की भावना शादी की उम्र और विवाह के पूर्व की शर्तें जैसी जीवन के फैसलों में बदलाव ला सकती है।नियोक्ता के लिए, इंटर्नशिप न केवल दीर्घकालिक रोजगार के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता का परीक्षण करने का कम लागत वाला बेहतरीन प्रयोग है, बल्कि कौशल संबंधी अंतर को पाटने और उसके सीएसआर संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने का एक रणनीतिक उपकरण भी है। 12 महीनों के दौरान, कंपनी विश्वसनीय रूप से एक प्रशिक्षु के आईक्यू और ईक्यू का आकलन कर सकती है और आत्मविश्वास के साथ प्रवृति के लिए नियुक्ति और कौशल के लिए प्रशिक्षण की बहुप्रशंसित रणनीति को लागू कर सकती है।व्यापक स्तर पर अर्थव्यवस्था की दृष्टि से, पीएमआईएस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और यह युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने एवं वंचित पृष्ठभूमि के युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाओं में समानता लाने का एक तात्कालिक उपाय है। शिक्षा पूरी कर चुके युवाओं के लिए एक फिनिशिंग स्कूल के रूप में कार्य करके, इंटर्नशिप अर्थव्यवस्था में रोजगार रहित प्रतिभा' के भारी नुकसान को कम करने में मदद करती है। आने वाले एआई के युग में, शिक्षा से लेकर रोजगार तक की ऐसी कड़ी और भी महत्वपूर्ण साबित होगी, जहां नौकरी के लिए उपयुक्तता परिवर्तन एवं जीवन कौशल के प्रति अनुकूलनशीलता द्वारा निर्धारित की जाएगी। दीर्घकालिक अवधि में, यह मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में पूंजी और श्रम के बीच के अनुपात को भी प्रभावित कर सकती है।जैसा कि कहा गया है, कंपनियों में बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं को वास्तविक रूप से समायोजित करने, शीर्ष 500 कंपनियों को श्रेणी-2 और श्रेणी-3 वाले शहरों से आने वाले प्रशिक्षुओं को नियुक्त करने और किसी अभ्यर्थी को उसके शहर से बाहर स्थानांतरित करने की आवश्यकता होने पर पर्याप्त मात्रा में मासिक स्टाइपेंड की उपलब्धता जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इस संबंध में दूरस्थ कार्य की व्यवस्था, गैर-मेट्रो कार्यालयों एवं कारखानों में भर्ती, और कंपनी द्वारा अतिरिक्त स्टाइपेंड संभावित समाधान हो सकते हैं। इस प्रकार, पीएमआईएस रोजगार सृजन का एक ऐसा उत्प्रेरक है जिसके व्यापक प्रचार और सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन की आवश्यकता है।

-वी. अनंत नागेश्वरन और दीक्षा सुप्याल बिष्ट-

कविता
आँधियां हैं और तूफान है

घटती-घटना
अशोक पटेल
शिवरीनारायण (छत्तीसगढ़)

आँधिया है और तूफान है, बवंडर का रेला है
जोश-जज्बा मत खोना,न कहना अकेला है।
घटा-घनघोर भले छाए,चाहे बादल फट जाए
हिमालय सा तू अडिग है,जो यूँ ही हट जाए।
वह खून नही पानी है, जो कष्टो में घबराए हैं
वह कैसी जवानी है,जो आफत से न टकराए हैं
तेरी सोंच छोटी क्यों है,जो हिम्मत क्यो हारे हैं
तेरी उड़ान ऊंची है, नापे आसमां यह सारे हैं।
बुलन्दी तू ही छू पाएगा,अगर न हिम्मत हारे हैं
जहाँ में नाम तेरे होंगे,कदम नही डगमगाएँगे।
ये दुनिया सर झुकाएगी,इज्जत तेरे कदम होंगे
नफरत करने वाले भी, अपना सर झुकायेंगे।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

विभिन्न मांगों को लेकर अवकाश लेकर शिक्षक रहे हड़ताल पर,पढ़ाई हुआ बाधित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

विभिन्न मांगों को लेकर जिले के शिक्षक गुरुवार को एक दिवसीय हड़ताल पर रहे। इससे जिले के स्कूलों में पढ़ाई ठप रही। पूरे दिन शिक्षक एसबीआई कलेक्टोरेट शाखा के सामने धरना पर बैठे रहे।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर जिले के अधिकांश शिक्षक हड़ताल पर रहे। हड़ताल के लिए शिक्षकों ने पूर्व में ही अवकाश ले रखा था। गुरुवार को एसबीआई कलेक्टोरेट शाखा के सामने धरना पर बैठे रहे। इस दौरान शिक्षकों ने बताया कि 7 वर्ष के कार्यकाल के बाद अगले वेतनमान की पात्रता को सरकार ने निरस्त कर दिया था, जिससे किसी भी शिक्षक

को कर्मोन्नति की पात्रता अब नहीं है। 1998 से कार्यरत कर्मचारी पंचायत के बाद शिक्षा विभाग में पहुंचे है। उस सेवा को मानते हुए 2008 में सरकार ने इनका सविलियन किया जिसके पश्चात पेंशन के लिए पुरानी सेवा को सरकार द्वारा नहीं मानी जा रही है। इसके अलावा अन्य मांगें भी शामिल है। शिक्षकों की अतिरिक्त व्यवस्था के कारण स्कूलों में ताले तो नहीं लगे, लेकिन पढ़ाई ठप रही। संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारियों ने कहा कि जिले में करीब 10 हजार शिक्षक हड़ताल पर रहे। शिक्षकों के आंदोलन के कारण 80 फीसदी स्कूलों में पढ़ाई नहीं हो सकी।

हालांकि सभी स्कूलें खुली रही। शिक्षिकों के अभाव में बच्चों की पढ़ाई बाधित रही। छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा का कहना है कि अगर हमारी मांगें पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा का कहना है कि शिक्षकों के एक दिवसीय हड़ताल के कारण स्कूल बंद करने की स्थिति नहीं बनी थी। स्कूलें खुली रही। बीईओ के माध्यम से दूसरे स्कूलों के शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई थी।

दुकान में सेंध लगाकर काउंटर से 75 हजार रुपए चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

शहर के खरसिया चौक से आगे रायगढ़ मार्ग पर स्थित एक अनाज दुकान में बुधवार की रात को सेंध लगाकर वारदात को अंजाम दिया है। चोरी की घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है। एक चोर चेहरा बांध कर रात में सेंध लगाकर दुकान के अंदर घुसकर काउंटर से लगभग 75 हजार रुपए पार कर दिया है। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की।

जानकारी के अनुसार शहर के अग्रसेन रोड निवासी आयुष बंसल का खरसिया चौक से आगे रायगढ़ मार्ग पर बंसल ट्रेडर्स नाम से अनाज दुकान

है। दुकान संचालक बुधवार की रात करीब 8 बजे बंद कर घर चला गया था। गुरुवार की सुबह 9 बजे दुकान खोलकर अंदर घुसा तो ऑफिस में सामान बिखरा पड़ा था। चोरी की आशंका पर दुकान के पीछे जाकर देखा तो दीवार में सेंध लगा हुआ था। दुकान संचालक ने सीसीटीवी फुटेज देखा तो एक व्यक्ति चेहरा बांधकर दुकान के काउंटर का लॉक तोड़कर करीब 75 हजार रुपए निकालकर ले जाते कैद हुआ है। दुकान संचालक ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और आगे की विवेचना शुरू कर दी है।

शहर के बड़े सप्लायर के ठिकाने पर जीएसटी विभाग का छापा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

शहर के सप्लायर के घर पर जीएसटी विभाग की टीम ने छापा मारा है। गुरुवार को कारोबारी के घर जीएसटी विभाग की 5 सदस्यीय टीम पहुंची और दस्तावेज खंगालने शुरु किए। बताया जा रहा है कि अन्य सरकारी विभागों में करोड़ों रुपए के सामान की सप्लाई की जाती है। कुछ महीने पूर्व प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने भी अशोक अग्रवाल के घर व गोदाम पर छापामार कार्रवाई की थी। वे दस्तावेज जब्त कर अपने साथ ले गए थे। इसी बीच गुरुवार को जीएसटी की 5 सदस्यीय टीम ने उसके घर पर छापा मारने पहुंची है। टीम द्वारा सामान सप्लाई व जीएसटी से जुड़े दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि जीएसटी की टीम ने शहर के अन्य कई व्यवसायियों के ठिकानों पर भी दबिश दी गई है। इससे व्यवसायियों में हड़क़ंप मचा हुआ है।

अंबिकापुर के कृष्णानगर स्थित रामनिवास कॉलोनी निवासी अशोक अग्रवाल सरकारी सामान का बड़ा सप्लायर है। उसके द्वारा शिक्षा विभाग, आदिम जाति विभाग समेत जीएसटी की टीम द्वारा शहर के अन्य कई व्यवसासियों के ठिकानों पर भी दबिश दी गई है। इससे व्यवसायियों में हड़क़ंप मचा हुआ है। टीम द्वारा सामान सप्लाई व जीएसटी से जुड़े दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।बताया जा रहा है कि जीएसटी की टीम ने शहर के अन्य कई व्यवसायियों के घरों व दुकानों में भी छापामार कार्रवाई की है। इन जगहों पर भी टीम द्वारा दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं। जीएसटी की इस कार्रवाई से व्यवसायियों में हड़क़ंप मचा हुआ है।

121 रनों की धुआंधार पारी के साथ फतेहपुर ने जीता पीईकेबी क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब

- संवाददाता -
उदयपुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

साल्ही खेल मैदान में पीईकेबी क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला बुधवार को फतेहपुर और बासेन के बीच खेला गया। फतेहपुर ने इस रोमांचक फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए बासेन को 56 रनों से हराकर पीईकेबी क्रिकेट ट्रॉफी का चैंपियन बना। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण जनों की भीड़ खिलाडियों को प्रोत्साहित करने मैदान में पहुंची थी।

मैच में बासेन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मैच में बल्लेबाज शुभन सिंह पोर्ते की 43 रनों की बेहतरीन पारी की बदौलत फतेहपुर ने निर्धारित 12 ओवरों में 120 रन बनाए, जिससे बासेन को 121 रनों का लक्ष्य मिला। वहीं बासेन की ओर से शिवबरन आगरे ने 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाने के बावजूद फतेहपुर का स्कोर बासेन के लिए

चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बासेन की टीम शुरू से ही दबाव में आ गई। हालांकि शिवबरन ने 28 रनों की पारी खेली, लेकिन उन्हें किसी अन्य बल्लेबाज का साथ नहीं मिला, और बासेन की पूरी टीम निर्धारित ओवरों में केवल 64 रन ही बना सकी। इस तरह, फतेहपुर ने 56 रनों से यह मुकाबला जीत लिया। विजयी टीम फतेहपुर के शुभन सिंह को उनकी 43 रनों की शानदार पारी और 1 विकेट चटकाने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया तथा पूरे टूर्नामेंट में फतेहपुर के ऑलराउंडर कप्तान समय प्रसाद श्याम के शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द टूर्नामेंट पुरस्कार दिया गया। समय प्रसाद ने टूर्नामेंट में कुल 97 रन बनाये और 12 विकेट लिए।

टूर्नामेंट के पुरस्कार वितरण समारोह में साल्ही के युवा जय सिंह कुसरो की विशेष उपस्थिति रही, साथ ही में फतेहपुर के वरिष्ठ नागरिक देवसिंग, इत्यादि शामिल हुए। पीईकेबी खदान के चीफ ऑफ क्लस्टर मनोज शाही, क्लस्टर एच आर हेड राम द्विवेदी, उपसरपंच बासेन इतवार साय, उपसरपंच परसा गणेश यादव शामिल हुए। गांव के गणमान्यों की अगुवाई में मनोज शाही द्वारा सर्वप्रथम उपविजेता रही टीम को पीईकेबी ट्रॉफी और साल्ही क्रिकेट समिति की ओर से बासेन के कप्तान शनि राम और उनकी टीम को 11 हजार का नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। तत्पश्चात फतेहपुर टीम के कप्तान समय प्रसाद और उनकी टीम ने पीईकेबी ट्रॉफी और पीईकेबी साल्ही क्रिकेट समिति की तरफ से 21000 का नगद पुरस्कार ग्रहण किया।

चोरी करने की नीयत से गृह अतिचार करने का असफल प्रयास करने के मामले मे सरगुजा पुलिस की त्वरित कार्यवाही,मामले का आरोपी किया गया गिरफ़्तार

- थाना दरिमा पुलिस टीम द्वारा मामले मे की गई त्वरित कार्यवाही...
- आपराधिक गतिविधियों मे शामिल आरोपियों के विरुद्ध की जा रही लगातार सख्त कार्यवाही...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों मे संलिप्त आरोपियों पर लगातार कार्यवाही कर आरोपियों की धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि प्रार्थी दिनेश गुप्ता साकिन बेलखरिखा थाना दरिमा द्वारा दिनांक 14/09/24 कों थाना दरिमा आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 11/09/24 कों तमजीत नामक युवक प्रार्थी के बाड़ी से पुराना बास कों लेकर दीवाल से लगाकर बाहर की ओर उतर रहा था, तब प्रार्थी एवं अन्य आस पास के लोग देकर बास खींच दिए और युवक तमजीत निचे गिर कर भाग

रहा था जिसे आस पास के लोग पकडे थे, आरोपी तमजीत प्रार्थी के मकान मे चोरी करने की नीयत से घुसा था, मामले मे प्रार्थी कि रिपोर्ट पर थाना दरिमा मे अपराध क्रमांक 127/24 धारा 331(4), 62 बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर विवेचना मे लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा चोरी के अन्य मामले मे प्रार्थी की रिपोर्ट पर आरोपी तमजीत कों गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया था, प्रकरण मे आरोपी कों गिरफ्तार किया जाना शेष था जिसमे पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी कों पकड़कर पूछताछ किया हया जो आरोपी द्वारा अपना नाम तमजीत खान उम्र 19 वर्ष साकिन बेलखरिखा थाना दरिमा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर प्रार्थी दिनेश गुप्ता के मकान मे चोरी करने की नीयत से घुसना और चोरी करने का असफल प्रयास किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जाता हैं।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना दरिमा से सहायक उप निरीक्षक बैजनाथ, प्रधान आरक्षक मनीजर राम, आरक्षक जगेश्वर बघेल, संजय केरकेट्टा शामिल रहे।

दंबगों द्वारा फसल काट कर ले जाने की शिकायत एसपी से

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

ग्राम सिलमा में खेत में लगी खड़ी फसल को दबंगों द्वारा काट कर ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित किसान परिवार ने मामले की शिकायत

जानकारी के अनुसार बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम सिलमा निवासी धनेश्वरी ने बताया कि दबंग द्वारा उनके खेत में लगी खड़ी फसल को काट लिया गया है। मना करने पर दबंगों द्वारा मारपीट और गाली गलौज की जाती है। जिसकी शिकायत पीड़ित किसान परिवार ने बतौली थाने में की थी। पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। डेढ़ एक्कड़ जमीन में लगी फसल को दबंगों ने काट लिया है। थाने में कोई सुनवाई नहीं होने पर पीड़ित किसान ने एसपी कार्यालय पहुंचकर मामले की शिकायत की है और कार्रवाई की मांग की है। मामले में एएसपी ने बतौली थाने को जांच के आदेश दिए हैं।

लिफ्ट देकर युवक ने महिला से लूटा 5 हजार नकदी व जेवरात

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

महिला से लूटपाट की घटना सामने आई है। बाइक सवार युवक ने महिला को लिफ्ट देकर जंगल में ले जाकर 5 हजार रुपए नकदी, सोने का मंगलसूत्र, कान का टप, मोबाइल लूटकर फरार हो गया। महिला ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार सविता पति मंगल साय उम्र 50 वर्ष ग्राम सुरबेना थाना करौधा जिला बलरामपुर की रहने वाली है। वर्तमान में गनयारी थाना बैढन् जिला सिंगरौली में रहती है। वह 22 अक्टूबर को अपने मूल निवासी ग्राम सुरबेना जाने लिए सिंगरौली से बस से अंबिकापुर बस स्टैंड पहुंची थी। इसके बाद वह कुसमी जाने के लिए रिंग रोड में बस का इंतजार कर रही थी। दोपहर करीब 1-2 बजे बाइक सवार एक युवक महिला के पास पहुंचा और कहा कि कहां जाना है। महिला बोली कुसमी जाने के लिए बस का इंतजार कर रही हूं। बाइक सवार युवक ने कहा कि मैं भी कुसमी जाउंगा। चलो मैं ले जाउंगा। महिला युवक के साझां में आकर बइक में बैठ गई। बाइक सवार युवक रामानुजगंज नाका से पहले रास्ता बदल दिया। इस पर महिला बोली की यह रास्ता तो कुसमी नहीं जाता है। इस पर युवक ने कहा कि यह रास्ता सार्टकार्ट है। कुछ दूर आगे जाने पर युवक बाइक को जंगल के रास्ते मोड़ दिया और बोला की यही रास्ता शार्टकर्ट जाता है। जंगल के अंदर ले जाकर बाइक को रोक दिया और महिला के पर्स से 5 हजार नकदी, सोने का मंगलसूत्र, कान का टप, मोबाइल लूटकर फरार हो गया। महिला किसी तरह जंगल से निकलकर गांधीनगर थाना पहुंची और मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 309 (4) के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

4 जुआरियों से 2 हजार रुपए जब्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024
(घटती-घटना)।

मणिपुर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ जुआ एक्ट की कार्रवाई की है। ये सभी सार्वजनिक स्थान पर बैठकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 2 हजार रुपए नकदी व ताशपत्ती जब्त किया है। जानकारी के अनुसार बुधवार को मणिपुर पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की बंजारी के पास सर्वजनिक स्थान पर बैठकर कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सूरज विश्वास, कुलदीप मुंडा, नरेश मुंडा व दुबे राम राजवाड़े के कब्जे से 2 हजार रुपए जब्त किया है।

कॉल ऑफ ड्यूटी वीडियो गेम के किरदार को बताया जा रहा तुर्की हमले में शामिल महिला आतंकी

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर 2024। 23 अक्टूबर को तुर्की की राजधानी अंकारा में टर्किश एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के मुख्यालय के बाहर धमाका हुआ। ये खबर भी आई कि कंपनी के बाहर एक औरत और एक आदमी ने गोलीबारी की. इस आतंकी हमले में खबर लिखे जाने तक पांच लोग मारे जा चुके हैं और कई घायल हैं। हमलावरों के कुर्दिश अलगाववादी संगठन से जुड़े होने की बात सामने आ रही है।

इसी संदर्भ में अब सोशल मीडिया पर एक महिला की फोटो वायरल हो गई है. कहा जा रहा है कि ये वही महिला है जिसने अंकारा में गोलीबारी की. दावे के मुताबिक, इस महिला की पहचान फराह करीम के रूप में हुई है जो एक कुर्द मुस्लिम है।

फोटो के साथ अंकारा में हुए इस हमले का सीसीटीवी फुटेज भी शेयर किया जा रहा है जिसमें एक महिला को हाथ में राइफल लिए हुए देखा जा सकता है।

फोटो के साथ एक सोशल मीडिया यूजर ने कैप्शन में लिखा, तुर्की के एयरो स्पेस पर जो तीन हमलावरों ने भीषण हमला किया उसमें से महिला हमलावर की पहचान हो गई है. इसका नाम फराह करीम है. यह कूर्द मुसलमान है. यह तुर्की की ही निवासी है लेकिन इसके रीजन में एरडोगन जो बार-बार एयर स्ट्राइक कर रहे हैं उसका बदला इसने लिया है।.

इसी तरह के कैप्शंस के साथ महिला की ये फोटो फेसबुक और एक्स पर जमकर वायरल हो रही है. वायरल पोस्ट का आर्काइव्ड वर्जन यहां देखा जा सकता है।

आजतक फैक्ट चेक ने पाया कि ये किसी असली महिला की नहीं बल्कि कॉल ऑफ ड्यूटी वीडियो गेम की एक किरदार फराह करीम की फोटो है.

कैसे पता की सच्चाई?

फोटो को रिवर्स सर्च करने पर ये हमें पिनट्रेस्ट के एक पोस्ट में मिली. यहां इसे 2019 में रिलीज हुए वीडियो गेम कॉल ऑफ ड्यूटी मॉडर्न वॉरफेयर की किरदार फराह बताया गया है. हमें ऐसे कई आर्टिकल भी मिले जिनमें महिला को इस वीडियो गेम की किरदार फराह करीम बताया गया है।

फिल्मों से जुड़ी वेबसाइट पर भी वायरल फोटो के साथ यही बताया गया है कि ये कॉल ऑफ ड्यूटी÷ गेम का किरदार है।

दरअसल, फराह करीम के इस

किरदार को ऑस्ट्रेलियाई अभिनेत्री क्लाउडिया डौमिट की शक्ल का इस्तेमाल करते हुए बनाया गया था. क्लाउडिया ने 2019 में एक खबर का स्क्रीशॉट, इंस्टाग्राम पर शेयर किया था जिसमें इस किरदार की एक दूसरी फोटो देखी जा सकती है।

कॉल ऑफ ड्यूटी गेम में फराह करीम को मध्य-पूर्व के काल्पनिक संगठन उर्जिकिस्तान लिबरेशन फोर्स का लीडर बताया गया है. 2019 में कॉल ऑफ ड्यूटी के एक्स हैंडल पर इसका टीजर पोस्ट किया गया था. टीजर में फराह करीम के किरदार को 32 सेंकड के बाद देखा जा सकता है।

इसके अलावा हमें ऐसी कोई खबर नहीं मिली जिसमें अंकारा में हुए हमले में शामिल महिला का नाम फराह करीम बताया गया हो।

क्या है तुर्की- कुर्द विवाद?

तुर्की और कुर्दों की लड़ाई कई दशकों पुरानी है. बीबीसी की खबर के मुताबिक, कुर्द समूह के लोग प्रमुख तौर पर तुर्की, इराक, सीरिया, ईरान और अर्मेनिया के पहाड़ी और सीमावर्ती इलाकों में रहते हैं. करीब ढाई से साढ़े तीन करोड़ आबादी के साथ ये मध्य पूर्व का चौथा सबसे बड़ा जातीय समूह है. लेकिन इसके बावजूद इनका कोई राष्ट्र नहीं है।

मुख्य तौर पर लड़ाई इसी बात की है. कुर्द लोग तुर्की में अपनी स्वायत्तता के लिए लड़ रहे हैं। तुर्की में कुर्दों की आबादी 15 से 20 फीसदी बताई जाती है. स्वतंत्र राष्ट्र कुर्दिस्तान को लेकर कुर्द समूह के लोग दशकों से तुर्की के साथ संघर्ष कर रहे हैं।

स्वतंत्र राष्ट्र की मांग को लेकर 1978 में अब्दुल्लाह ओकालन नाम के एक कुर्द लीडर ने कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) नाम के एक संगठन की स्थापना की थी. इस संगठन ने कुछ समय बाद हिंसक आंदोलन शुरू कर दिया। इस लड़ाई में उस समय हजारों लोग मारे गए। हालांकि बाद में सांस्कृतिक और राजनीतिक स्वायत्तता के बदले पीकेके ने अलग देश की मांग छोड़ दी लेकिन ये लड़ाई नहीं रुकी।

तुर्की अक्सर कुर्द उग्रवादियों के ठिकानों पर एयरस्ट्राइक करता रहता है. तुर्की ने हाल में हुए हमले का आरोप भी पीकेके पर ही लगाया है और उनके इलाकों पर हवाई हमले किए हैं। पीकेके, तुर्की में आतंकी संगठन घोषित है।

राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी और छात्र संगोष्ठी में SAGES सोहगा का शानदार प्रदर्शन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर में आयोजित राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी और छात्र संगोष्ठी में SAGES सोहगा के छात्रों और शिक्षकों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विज्ञान और नवाचार के प्रति छात्रों में रुचि बढ़ाना और उनके कौशल को विकसित करना था।

SAGES सोहगा के छात्र पहले जिला और जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुए। विद्यालय की छात्रा सविता ने अनाज भंडारण पर आधारित मॉडल प्रस्तुत करते हुए राज्य स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिससे विद्यालय का गौरव बढ़ा।

इसी कार्यक्रम में, आशीष सिंह ने दिव्यांग श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपनी असाधारण क्षमता का परिचय दिया। उनका यह प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय है, जो यह दर्शाता है कि सही दिशा और प्रोत्साहन से हर चुनौती को पार किया जा सकता है।

इस प्रतियोगिता में विज्ञान क्लब से भी छात्रों ने भाग लिया। कोमल कुशवाहा ने विज्ञान क्लब का प्रतिनिधित्व किया, जबकि नेहा कुशवाहा ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

इसके अलावा, नारद ने आपदा प्रबंधन पर आधारित मॉडल प्रस्तुत कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया, जहाँ उनकी प्रस्तुति की विशेष सराहना की गई। साथ ही, नारद ने पश्चिम भारत विज्ञान मेले में भी SAGES सोहगा का प्रतिनिधित्व किया।

हर्ष कुशवाहा ने राज्य स्तरीय छात्र संगोष्ठी में भाग लिया। उन्होंने जिला और जोन स्तरीय प्रतियोगिताओं में विजयी होकर राज्य स्तर की प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जहाँ उनके विचारों और प्रस्तुतियों को सराहा गया।

शिक्षकों की संगोष्ठी में भी विद्यालय के शिक्षक अक्षय रंजन वर्मा ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्राचार्या लीना थॉमस और शिक्षकों रश्मि पांडेय, रक्षिता शर्मा, प्रत्युष दुबे और अक्षय रंजन वर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके मार्गदर्शन में छात्रों ने इस सफलता को प्राप्त किया।

विद्यालय की प्राचार्या लीना थॉमस ने सभी छात्रों और शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा, ÷यह हमारे विद्यालय के लिए गर्व का क्षण है। हमारे छात्रों और शिक्षकों ने अपने प्रयासों से यह सिद्ध किया है कि कड़ी मेहनत और समर्पण से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। मैं सभी को उनकी इस अद्भुत सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ देती हूँ।

SAGES सोहगा की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। यह प्रदर्शनी छात्रों के बीच वैज्ञानिक सोच और नवाचार को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई है।

चीनी विदेश मंत्रालय बोला...मोदी और शी की बैठक द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए महत्वपूर्ण

बीजिंग, 24 अक्टूबर 2024। चीन ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बुधवार को रूस के कजान में हुई बैठक काफी महत्व रखती है। उन्होंने कहा कि दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण आम सहमति पर पहुंचे।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा, वे (मोदी-जिनपिंग) चीन-भारत संबंधों को सुधारने और विकसित करने पर महत्वपूर्ण आम सहमति पर पहुंचे और उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर विकास के पथ पर वास लाने का मार्ग प्रशस्त किया। जब उनसे पूछा गया कि बीजिंग इस बैठक को किस तरह से देखता है, तो लिन ने कहा कि चीन द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने और संभालने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है।

लिन ने कहा, चीन संवाद और सहयोग को बढ़ाने,रणनीतिक आपसी भरोसे को मजबूत करने, मतभेदों को ठीक से संभालने और द्विपक्षीय संबंधों को जल्द से जल्द स्थिर

विकास के पथ पर लाने के लिए तैयार है। रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर बैठक में पीएम मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैनिकों की वापसी पर सोमवार के भारत-चीन समझौते का समर्थन किया। एक चीनी आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर लिन ने कहा कि दोनों पक्ष इस बैठक को रचनात्मक और महत्वपूर्ण मानते हैं। रिपोर्ट में कहा गया था कि मोदी ने संबंधों को सुधारने और विकसित करने के लिए सुझाव दिए, जिस पर शी सहमत हुए।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, दोनों पक्षों ने चीन-भारत संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक दृष्टिकोण देखने और संभालने पर सहमति जताई है, ताकि असहमतियों को संबंधों पर असर डालने से रोका जा सके। दोनों नेताओं ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने और सीमा से जुड़े सवालों पर विशेष प्रतिनिधियों के तंत्र का उचित उपयोग करने पर भी सहमति जताई।

विशेष प्रतिनिधियों का तंत्र 2003 में बनाया गया था। इस तंत्र में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी शामिल हैं। भारत और चीन के संबंध मई 2020 में पूर्वी लद्दाख में चीनी सेना की घुसपैठ के बाद काफी बिगड़ गए थे।

सिटी कोतवाली बलरामपुर में चतुर्थ वर्ग की मौत, आक्रोशित लोगो ने पुलिस पर किया पथराव

- संवाददाता -
बलरामपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सिटी कोतवाली बलरामपुर के अंतर्गत ग्राम संतोषी नगर के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्य करने वाले चतुर्थ वर्ग के कर्मचारी गुरु चंद मंडल की पत्नी विगत 15 20 दिनों से गायब थी जिसके बाद इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी इसी सिलसिले में गुरु चंद मंडल को लगातार पुलिस के द्वारा पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि बीते तीन दिनों से सुबह 6 बजे से लेकर देर शाम तक थाने में ही बैठाया जा रहा था इस बीच आज दोपहर 3ः30 के बीच गुरु चंद मंडल के द्वारा थाने के बाथरूम में अपनी ही गमछा से फांसी लगाकर आत्महत्या करना बताया जा रहा है जैसे ही इसकी जानकारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों को लगी तो बड़ी संख्या में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारी एवं नगर वासी उपस्थित हुए घटना को लेकर लोगों में आक्रोश देखा गया देर शाम लोगों ने थाने के सामने ही चक्का जाम कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन बलरामपुर में कार्यरत चतुर्थ वर्ग कर्मचारी गुरु चंद मंडल की पत्नी 15 20 दिनों से गायब थी जिसके बाद इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई थी इसी सिलसिले में लगातार गुरु चंद मंडल को लगातार पुलिस के द्वारा पूछताछ के लिए बुलाए जाने की बात कही जारी है बताया जा रहा है कि बीते तीन दिनों से वह भारी तनाव में था पुलिस के द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक पूछताछ के नाम पर बैठा दिया जाता था। आज दोपहर तीन एवं 3:30 के बीच गुरु चंद मंडल के द्वारा थाने के बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया गया घटना की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई जिसके बाद डीपीएम स्मृति एक्का सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे वहीं देर शाम थाने के सामने ही स्वास्थ्य कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिकों के द्वारा चक्का जाम कर दिया गया। डीपीएम स्मृति एक्का ने कहा कि संदिग्ध परिस्थितियों में हमारे कर्मचारियों की मौत हुई है इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मीडिया से बचती नजर आ रही है पुलिस विभाग

इतनी बड़ी घटना होने के बाद भी मीडिया को किसी भी प्रकार की जानकारी देने से पुलिस विभाग के जिम्मेदार अधिकारी बचते नजर आ रहे हैं मौके पर पुलिस विभाग के कई जिम्मेदार अधिकारी पहुंच चुके हैं लेकिन मीडिया पर किसी भी बात की जानकारी देने से बचते नजर आ रहे हैं

पुलिस बल का प्रयोग

बलरामपुर पुलिस ने बल का प्रयोग करते हुए भिड़ को भागने का प्रयास किया जिससे परिजन और नगरवासी आक्रोश हो गए जिसके बाद भीड़ ने हंगामा करते हुए बलरामपुर एसडीम व पुलिस विभाग की बोलेरो और वहां मौजूद दो पहिया मोटरसाइकिल एवं चार पहिया वाहनों पर जमकर पथराव किया पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के बाल का प्रयोग करते हुए लाठी चार्ज भी कर दिया

अल जजीरा के गाजा में मौजूद छह पत्रकार आतंकी हैं

तेल अवीव, 24 अक्टूबर 2024। इस्राइली सेना ने दावा किया है कि कतर के मीडिया संस्थान अल जजीरा के गाजा स्थित छह पत्रकार आतंकी हैं। इस्राइली सेना ने आरोप लगाया कि ये छह पत्रकार गाजा में हमास और अन्य जेहादी संगठनों से जुड़े हुए हैं। वहीं अल जजीरा ने इस्राइली सेना के इस दावे को बेतुका बताकर सिरे से खारिज कर दिया है।

इस्राइल ने लगाए गंभीर आरोप

गौरतलब है कि इस्राइल की सेना ने करीब एक महीने पहले वेस्ट बैंक के रामल्ला में स्थित अल जजीरा के कार्यालय में छापा भी मारा था। जिसमें इस्राइली सेना ने अलजजीरा को अपना कार्यालय 45 दिनों तक बंद रखने का आदेश

दिया था। साथ ही इस्राइल, अल जजीरा को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताकर इसके इस्राइल में संचालन को प्रतिबंधित भी कर चुका है। इस्राइली सेना ने अल जजीरा के जिन पत्रकारों पर आतंकी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया है, उनके नाम और तस्वीरें भी साझा की हैं। इस्राइली सेना ने ये भी बताया कि उनके पास ऐसे दस्तावेज हैं, जो इस बात का खुलासा करते हैं कि उनका हमास और अन्य इस्लामिक जेहादी संगठनों से नाता है। इस्राइल का कहना है कि ये पत्रकार आतंकी ट्रेनिंग भी ले चुके हैं। आईडीएफ ने आरोप लगाया कि ये पत्रकार हमास का प्रोपेगैंडा चलाते हैं।

न्यायालय नजूल अधिकारी,अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सतवीर सिंह आ0 इन्द्रजीत सिंह उम्र लगभग 37 वर्ष जाति सिक्ख निवासी बी 403 मेट्रो हाईट्स एयरटेल ऑफिस के पास तेलीबांधा रायपुर, जिला रायपुर छ0ग0 मुख्तारनामा आम वास्ते श्रीमती सुरिंदर कौर पत्नी इन्द्रजीत सिंह जाति सिक्ख निवासी बी-403 मेट्रो हाईट्स एयरटेल ऑफिस के पास तेलीबांधा रायपुर जिला रायपुर छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की मोहल्ला न्यू महामाया रोड नगर अम्बिकापुर शीट नम्बर-3 स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1415/3 रकबा 2269.8 वर्गफीट में से रकबा 1134.9 वर्गफीट तथा प्लाट नम्बर 1413/4840/2 रकबा 2919.8 वर्गफीट में से रकबा 1459.9 वर्गफीट भूमि एवं मकान को अनावेदक सुमित अग्रवाल आ0 रामकिशन अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी हाई स्कूल रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 के पास विक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ-पत्र की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 08/11/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 21/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार लटोरी,जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 20240926210003अ-21/23-24

केशो बाई प्रति राजकुमार

सर्व साधारण ग्रामवासी ग्राम-सोनवाही तहसील लटोरी को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती केशो बाईपुत्री पुरन जाति घसिया निवासी ग्राम सोनवाही तहसील लटोरी जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा अपने खाते की भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम सोनवाही तहसील लटोरी जिला सूरजपुर, स्थित भूमि खसरा नम्बर 89/2 रकबा 0.390 हे0 में से रकबा 0.08 हे0 अर्थात 20 डिसमिल भूमि को अनावेदक श्री राजकुमार पिता आनन्द राम जाति रजवार निवासी ग्राम सोनवाही जिला-सूरजपुर के पास 2,00,000/- (दो लाख रूपये) में विक्रय करने हेतु सौदा तय किया गया है। जिसमें से अग्रिम राशि 50,000/- रूपये प्राप्त कर लिया है। आवेदित भूमि शासन से पट्टे पर प्राप्त भूमि है। उक्त भूमि को विक्रय करने हेतु अनुमति बावत आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सूरजपुर को प्रस्तुत करने से जांच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त होने पर प्रकरण प्रारम्भ किया गया जिसमें कार्यवाही किया जा रहा है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 29/10/2024 को उपस्थित हो कर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। इस तिथि के बाद में प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 04/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील

तहसीलदार
लटोरी,जिला-सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छ0ग0

ईश्तहार

क्रमांक 594

रा.प्र.क्र. क्यू /ब - 121 /2023-24

दिनांक - 14/10/2024

आवेदक का नाम मानसाय पिता सोमार साय जाति अगरिया निवासी केतका ग्राम केतका प0ह0न0 थाना-तहसील व सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पुत्री अनिता पिता नानसाय जन्म/मृत्यु दिनांक 20/02/2022 का जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 28/10/2024 दिन-सोमवार को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर अनापत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

तदनुसार कार्यवाही कर दी जायेगी। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 14/10/2024 को जारी किया जाता है।

सील

तहसीलदार
सूरजपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील-भटगांव,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब - 121 /2023-24

आम जनता ग्राम कपसरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक गोपाल आ0 बुधराम राजवाडे जाति .... निवासी ग्राम-कपसरा तहसील भैयाथान जिला-सूरजपुर द्वारा अपने बड़े पिताजी मनोहर का जन्म/मृत्यु दिनांक 01/01/1999 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने बड़े पिताजी का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 07/11/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 22/10/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव,जि0-सूरजपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी भटगांव तहसील-भटगांव,छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ब - 121 /2023-24

आम जनता ग्राम अनरोखा को सूचित किया जाता है कि आवेदक अनुराम आ0 देवसाय राजवाडे जाति रजवार निवासी ग्राम - अनरोखा तहसील भगांव जिला-सूरजपुर द्वारा अपने दादी ठिकईया का मृत्यु दिनांक 06/08/2019 को मृत्यु होने पर आवेदक द्वारा अपने दादी का मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीयन बावत शुल्क अदा कर चालान की प्रति, शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसमें कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है।

जिस किसी हितबद्ध पक्षकार को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप दिनांक 29/10/2024 तक मेरे न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा एवं तदनुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 14/10/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भटगांव,जि0-सूरजपुर

CMYK

मजदूर की मौत के मामले में ब्लास्टिंग अधिकारी हुए निलंबित

गैर इरादतन हत्या का मामला पंजीबद्ध, जांच पर उठ रहे सवाल

घटती घटना | सूरजपुर-कोरिया-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024 | 6

राजनगर ओसीएम में ब्लास्टिंग के दौरान मजदूर की

मौत का जिम्मेदार कौन ?

फॉलोअप

मृतक के परिजनों को

राजनगर में ठेका म

-बागी कलम-
अनूपपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले की राजनगर खुली खदान में डीजीएमएस के नियमों के विपरीत ब्लास्टिंग अधिकारी और खनन से जुड़ी कंपनी की मनमानी में हुई ठेका मजदूर अजय कोल की मृत्यु के मामले में आखिरकार कॉलरी ने ब्लास्टिंग अधिकारी एके सिंह को बुधवार को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया हैं। दूसरी ओर रामनगर थाना ने ब्लास्टिंग अधिकारी को लापरवाह और गैर इरादतन हत्या का आरोपी मानते हुए अपराध दर्ज किया है। थाने में दर्ज किए मामले में पुलिस ने स्पष्ट किया कि घटना के दिन संबंधित अधिकारी ने मजदूरों से 11ः15 बजे बताए स्थल पर बारूद अनलोड कराया और होल में बारूद भरवाने के उपरांत मजदूरों को सेफ जोन में भेज दिया। जबकि ब्लास्टिंग अधिकारी स्वयं अनसेफ जोन में वाहन पर बैठ साथ ही अपने साथ वाहन चालक और पीछे की सीट पर मजदूर अजय कोल को बैठाया और फिर विस्फोट के आदेश दिए। विस्फोट में एक पत्थर तेजी से उछल कर वाहन के छत पर गिरा और छत तोड़ते हुए नीचे बैठे अजय कोल के सिर पर जा गिरा, जिसकी चोट से अजय की मृत्यु हो गई। इस घटना में लापरवाही पाते हुए ए.के. सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी सी/03 खोंगापानी थाना झगराखांड जिला एमसीबी (छग) के खिलाफ धारा 106 (1) बीएनएस का मामला दर्ज किया है। राजनगर ओसीएम की घटना के बाद जांच में पहुंची डीजीएमएस की टीम ने कॉलरी प्रबंधकों की लापरवाही का एक और खुलासा किया है, जहां प्रारंभिक जांच में ही ब्लास्टिंग के लिए निर्धारित किए गए समय से पूर्व कोयला खनन में विस्फोट किया गए था। इस पर डीजीएमएस ने कॉलरी मैनेजर दीपक बेंजामिन को नोटिस जारी करते हुए पूछा कि जब कोयला खदान में दोपहर 2 बजे बाद ब्लास्टिंग के प्रावधान है तो दोपहर 12 बजे कोयला खनन में ब्लास्ट कैसे किया गया। वहीं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी ने बताया कि 19 अक्टूबर को थाना रामनगर अंतर्गत राजनगर खुली खदान में विस्फोट के दौरान युवक की मृत्यु मामले में ब्लास्टिंग अधिकारी के विरुद्ध मामला पंजीबद्ध किया गया है।

प्रतापपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धरमपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण का मूल्यांकन

-संवाददाता-
प्रतापपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छः मानकों के आधार डॉ बी बृजराज एवं डॉ आंचला के द्वारा किया गया। जिसका उद्देश्य संस्था में संचालित सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का संचालन मानक अनुरूप गुणवत्तापूर्ण तरीके से हो रहा है या नहीं इसको परखना था, राष्ट्रीय मूल्यांकन टीम के द्वारा सामान्य प्रशासन, आईपीडी, ओपीडी , लैब, इनफेक्शन कंट्रोल एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम का संचालन मानक अनुरूप किया जा रहा है अथवा नहीं इसको परखा गया, साथ ही अस्पताल का निरीक्षण भी किया गया, इसमें उपलब्ध सेवाएं मरीजों के अधिकार इनपुट सपोर्ट सर्विसेज क्लिनिकल सर्विसेज इनफेक्शन कंट्रोल गुणवत्ता प्रबंधन आउटकम जैसे पैरामीटर शामिल है, गुणवत्ता प्रबंधन के और के और कई अन्य पहलुओं पर अस्पताल के आठ विभागों को मूल्यांकन किया गया संस्था एवं आसपास के फील्ड में पदस्थ सभी स्टाफ मितानिनों से चर्चा किए, साथ अस्पताल के संपूर्ण दस्तावेज एवं पंजी का सघन पड़ताल किया गया, इससे पूर्व केंद्रीय मूल्यांकन टीम का स्वागत स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा किया गया साथ ही अस्पताल प्रबंधन द्वारा भी उनका स्वागत किया गया, विदित हो कि प्रतापपुर ब्लॉक केंद्र सरकार के आकांक्षी ब्लॉक में शामिल है, जिसके कारण प्रतापपुर ब्लॉक के ज्यादातर अस्पतालों को राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण हेतु चयनित किया गया है, जिसमें गत दिवस सिलौटा अस्पताल का मूल्यांकन हो चुका है,आगामी नवंबर माह में पंपापुर और रामकोला अस्पताल के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर का भी राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक प्रमाणीकरण होना है, कार्यक्रम में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विजय सिंह खंड कार्यक्रम प्रबंधक सतीश श्रीवास्तव प्रभारी चिकित्सा अधिकारी नीरज दास डॉक्टर स्वाति पटेल, हाफिज अंसारी ,राजेश वर्मा, विनीत खरे, कमलेश सोनी ,मीणा राजवाड़े, चिरंजीव सिन्हा,रामविलास ,पीयूष यादव, मंगली भगत, बिंजलाल, संजय लाल ,सज्जू राम समेत अधिकारी कर्मचारी स्वास्थ्य कार्यकर्ता मितानिन मौजूद रहे।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी छत्तीसगढ़ युवा मोर्चा के कोरिया जिलाध्यक्ष बनाए गए अखिलेश गुप्ता

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा कोरिया जिले में अखिलेश गुप्ता को गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है अखिलेश गुप्ता वर्तमान में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के सच्चे सिपाही हैं और पार्टी के लिए समर्पित है जिस वजह से उन्हें यह दायित्व पार्टी के द्वारा सोपा गया है। जिलाध्यक्ष नियुक्त होने पर अखिलेश गुप्ता ने कहा की यह मेरे लिए बड़ा ही गौरवशाली पल है की दादा हीरा सिंह मरकाम द्वारा स्थापित और उनके सिपाहियों द्वारा सिंचित गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जो कि वास्तव में जल, जंगल और जमीन की लड़ाई अपने अस्तित्व में आने के बाद से ही लड़ रही है, सर्व समाज की संरक्षक गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के ऊर्जावान पदाधिकारियों ने मुझे इस लायक समझा कि गोंडवाना गणतंत्र पार्टी युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के जिला कोरिया का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। यह मेरे लिए अभूतपूर्व और अविस्मरणीय पल है। जब से मैं इस पार्टी से जुड़ा हूं, स्वयं में व्यक्तिगत रूप से बदलाव महसूस किया... साथ ही साथ इस पार्टी के ऊर्जावान कार्यकर्ताओं के सान्निध्य ने मुझे और परिपक्व को बनाया। मैं बेहद शुक्रगुजार हूं पार्टी के पदाधिकारीओं का, जिन्होंने मुझे इस पार्टी की सदस्यता दी और आज पार्टी का पदाधिकारी बनाकर सम्मान दिया। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी की रीति नीति को साक्षी मानकर मैं यह शपथ लेता हूं कि मैं पार्टी हित में, जनहित में, देशहित में, मुझसे जो भी बन पड़ेगा मैं अपना सर्वस्व और बेहतर देने का प्रयास करूंगा।

जंगली हाथियों की समस्या को लेकर प्रतापपुर विधायक का प्रधान मुख्य संरक्षक वन्य प्राणी छत्तीसगढ़ के साथ बैठक

-संवाददाता-
प्रतापपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

प्रतापपुर विधानसभा के हाथी प्रभावित क्षेत्र में विकास, मुआवजा राशि, हाथी-मानव द्वंद से बचने के उपाय आदि महत्वपूर्ण विषयों पर छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ प्रतापपुर विधानसभा के विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते की बैठक संपन्न हुई। इस दौरान बैठक में प्रस्तुत महत्वपूर्ण बिंदुओं पर शीघ्र कार्ययोजना तैयार कर कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। प्रतापपुर विधानसभा में जंगली हाथियों के आतंक से क्षेत्र में जैन एवं धन की हानि व्यापक पैमाने पर लंबे समय से हो रही है जिससे हाथियों का आतंक क्षेत्र वासियों के लिए बहुत बड़ी समस्या बन गई है इसे गंभीरता से लेते हुए प्रतापपुर क्षेत्र की विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते द्वारा सार्थक समाधान के लिए प्रयास प्रारंभ कर दी गई है इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य प्राणी सुधीर कुमार अग्रवाल एवं वन विभाग के अधिकारियों के साथ 23 अक्टूबर 2024 को वन विभाग कार्यालय अंबिकापुर में प्रतापपुर विधायक की बैठक संपन्न हुई, बैठक के दौरान जंगली हाथियों से जंगल के किनारे लगे ग्रामों में निर्वस्त्र ग्रामीणों के फसल मकान एवं जनहानि को रोकने एवं हाथियों का जंगल से लगे ग्रामों में प्रवेश रोकने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई एवं हाथी एवं मानव के द्वंद्व के कारणों पर विचार किया गया इस दौरान प्रदेश में वन विभाग एवं राजस्व विभाग मद से छूटे हुए नारंगी क्षेत्र का फिर से राजस्व एवं वन विभाग के संयुक्त टीम द्वारा सर्वे कराए जाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया गया जिससे इन क्षेत्रों का चिन्हकांकर राजस्व की भूमि राजस्व के मद में एवं वन भूमि को वन विभाग के मद में अंकित किया जा सके। बैठक के दौरान हाथी प्रभावित ग्रामों में जंगल से लगे क्षेत्र में हाई मास्क लाईट लगानें ,जंगल से लगे हाथी प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीणों के कच्चे मकानों को पक्के के मकान बनवाए जाने , हाथियों से हाथी प्रभावित क्षेत्र में हुए जन धन के क्षति की लंबित मुआवजा राशि का दो दिन के अंदर भुगतान करायें जाने, प्रतापपुर शहर में हाथियों का प्रवेश रोकने के लिए शहर के जंगल से लगे 3 किलोमीटर क्षेत्र का हैंगिंग फैनिशिंग कराया जाना, वन एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम बनाकर प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के ग्राम शिवपुर एवं अन्य नारंगी क्षेत्र का सर्वे कर नारंगी क्षेत्र को वन या राजस्व मद में शामिल कराए जाने की विस्तृत कार्य योजना बनाकर क्षेत्र की जनता को हाथियों से होने वाले नुकसान को कम करने , हाथी एवं मानव के बीच संघर्ष को रोकने के लिए सार्थक प्रयास करने का निर्देश दिया गया। इस दौरान अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़, सी एफ अंबिकापुर डीएफओ सूरजपुर अंबिकापुर बलरामपुर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के संचालक सूरजपुर प्रतापपुर वाड्राफनगर अंबिकापुर बलरामपुर के एसडीओ फॉरेस्ट एवं वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे ।

कटघोरा पुलिस ने जुआ एक्ट के तहत की आधा दर्जन आरोपियों पर की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश अनुसार जिले में अवैध कार्यों पर सख्त कार्यवाही की जा रही है। सभी थाना, चौकियों को सबंधित थाना क्षेत्र के अवैध शराब, जुआं के साथ साथ अवैध कार्यों पर सख्त कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड क्रमांक 9 के प्यारेलाल अग्रवाल के घर के समीप जुआं खेला जा रहा है। जिस पर थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी ने अपने उच्च अधिकारियों को मामले से अवगत कराते हुए कटघोरा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नेहा वर्मा व एसडीओपी पंकज ठाकुर के मार्गदर्शन में टीम गठित कर उक्त स्थान पर छापा मारा।कटघोरा थाना प्रभारी धर्मनारायण तिवारी व उनकी टीम ने वार्ड क्रमांक 9 तिलक नगर प्यारेलाल अग्रवाल के घर के पास उक्त स्थान पर रात्रि लगभग 12 बजे चल रहे जुए की फड़ पर दबिश देते हुए जुआं खेल रहे 6 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया और फड़ से लगभग 57 हज़ार 10 रुपये की रकम बरामद की तथा 52 पत्ती ताश की गड्डी की गई जप्त। सभी पकड़े गए आरोपी कटघोरा निवासी है। 1. विजय कुमार उर्फ बंटी, पिता रमेश कुमार अग्रवाल, उम्र 42 साल, निवासी कटघोरा कारखाना मोहल्ला, 2. सुमित दुलानी उर्फ पप्पू पिता स्वर्गीय थावरमल, उम्र 35 साल, निवासी मेन रोड कटघोरा, 3. मनोहर चावला, पिता स्वर्गीय रमेश, उम्र 47 साल, निवासी मेंन रोड कटघोरा, 4. राहुल अग्रवाल, पिता ताराचंद्र, उम्र 42 साल, निवासी टिंगीपुर कटघोरा, 5. प्यारेलाल अग्रवाल पिता स्व. बी.आर. अग्रवाल, उम्र 57 साल, निवासी कटघोरा, 6. बैजू बाबा, पिता अश्वनी कुमार जायसवाल, उम्र 28 साल, निवासी पुरानी बस्ती कटघोरा है। कटघोरा पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

बाल विवाह रोकथाम हेतु स्कूली छात्र-छात्राओं को किया जा रहा जागरूक

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

जिले के कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू के मार्गदर्शन में तथा जिला बाल कल्याण संरक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के नेतृत्व में बाल विवाह मुक्त अभियान अंतर्गत जिले में बाल विवाह की रोकथाम एवं युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत शासकीय आदर्श बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर में जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल द्वारा बाल विवाह के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है, लड़की की आयु 18 वर्ष व लड़के की आयु 21 वर्ष होने के बाद ही विवाह किया जाना चाहिए। यदि इस आयु से पहले विवाह किया जाता है तो वह बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 तहत कानून अपराध माना जाता है। इसके साथ ही किशोर न्याय अधिनियम, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, बाल श्रम कानून, साइबर अपराध, इंटरनेट या डिजिटल उपकरणों का जानकारी दिया गया ।

बालको ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर किया मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन (आईडीओपी) दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में जिला न्यायाधीश श्री सत्येंद्र कुमार साहू, विशेष न्यायाधीश श्री जयदीप गर्ग, सिविल जज सुश्री डिंपल ने उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत की। हेल्पएज इंडिया के सहयोग से कंपनी ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का आयोजन किया। मानसिक स्वास्थ्य सत्र में मनोचिकित्सक ने वृद्धावस्था में डिमेंशिया तथा मेंटल हेल्थ से निपटने का तरीका बताया। वृद्धजनों को महत्वपूर्ण तकनीक जानकारी देने के लिए डिजिटल साक्षरता कार्यशाला तथा संतुलित एवं पोषण आहार की जानकारी भी दी गई। अतिथियों ने समाज में उनके समर्पण और सेवा की सराहना करते हुए महत्वपूर्ण योगदान के लिए दस वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों या युवाओं के बीच पारस्परिक समझ विकसित करना तथा वरिष्ठ समुदाय की शक्ति और अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला गया। शिविर में बुजुर्ग सदस्यों के लिए गतिशीलता और दैनिक जीवन को बेहतर बनाने के लिए सहायक उपकरण प्रदान किए गए। इलेक्ट्रोथेरेपी तकनीक का उपयोग करके 33 बुजुर्गों को फिजियोथेरेपी सेवाएँ प्रदान की गईं।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने स्वास्थ्य अभियान के प्रभाव पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि कंपनी अपने संयंत्र के आसपास के समुदायों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य इस क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाना है और इसके साथ दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और समुदाय के कमजोर वर्गों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। आरोग्य परियोजना के मल्टी-स्पेशलिटी मेगा हेल्थ कैंप के द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग लाभान्वित हुए। अपने मोबाइल हेल्थ वैन के तहत कंपनी ने जामबहार और शांति नगर में दो हेल्थ कैंप आयोजित किये। कैंप की मदद से 5 गांव के 360 से अधिक सदस्यों ने स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। कंपनी के सामुदायिक स्वास्थ्य शिविरों में मधुमेह, रक्तचाप जैसी सेवाओं के साथ दंत, आर्थोपेडिक्स, स्त्री रोग, साइकेट्री, मनोवैज्ञानिक और स्किन केयर विभिन्न विशेषज्ञ मौजूद थे। यहाँ बताना लाजमी होगा के,आरोग्य परियोजना बालको का व्यापक स्वास्थ्य पहल है जो ग्रामीण स्वास्थ्य पोस्ट के माध्यम से प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं तथा कुपोषण को कम करने के साथ मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। परियोजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024 में 45 से अधिक समुदायों के 49,963 लोग लाभान्वित हुए हैं। 'उपचार आपके दरवाजे' थीम पर संचालित चलित स्वास्थ्य इकाई की मदद से जरूरतमंदों को निःशुल्क परामर्श और चिकित्सा सुविधाएं दी जा रही हैं। वित्तवर्ष 2024 में एमएचवी से लगभग 15600 तथा 8 मल्टी-स्पेशलिटी मेगा हेल्थ कैंप से 1700 लोग लाभान्वित हुए है।

CMYK

सूरजपुर में कानून व्यवस्था सुधारने का नाम नहीं ले रही..
एक बार फिर जमीन से अतिक्रमण हटाने को हुआ विवाद..
ग्रामीण व कब्जाधारी के बीच हुई झड़प 6 घायल

धान की फसल काटने को लेकर जमकर चले लाठी-डंडे,2 महिला समेत 4 घायल, पुलिस फोर्स रही तैनात

प्रशासन की गैर जिम्मेदाराना हरकत से बिगाड़ रही है कानून व्यवस्था

शासकीय जमीन पर कब्जा करने वाले के विरुद्ध ग्रामीण हुए लामबंद खेतों में लगा फसलों को काटा हुआ बवाल

प्रशासन से ग्रामीण शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त करने की कर रहे थे गुहार पर जिम्मेदार नहीं निभा रहे थे जिम्मेदारी..आखिर कानून व्यवस्था बिगड़ गई?

अतिक्रमित भूमि पर लगी धान की फसल काटने लगे ग्रामीण...दूसरे पक्ष ने कर दिया हमला...95 एकड़ गौचर भूमि पर कुछ लोग 15 से 20 वर्ष पूर्व से घर व खेत बनाकर कर रहे थे खेती

-समरोज खान-
सूरजपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिला इस समय कानून व्यवस्था को लेकर सुर्खियों में अभी दोहरे हत्याकांड मामला ठंडा भी नहीं हुआ और दूसरा मामला फिर सामने आ गया है, शासकीय जमीन पर कब्जा कर एक व्यक्ति फसल लगा दिया था, उसे व्यक्ति से भूमि का कब्जा छुड़वाने के लिए प्रशासन से गुहार की गई थी पर प्रशासन नहीं दिया ध्यान तो ग्रामीण ही हुए लामबंद और फसल काटकर शासकीय जमीन को कब्जा मुक्त करने का कर रहे थे प्रयास, इसी बीच कब्जाधारी आकर करने लगा विरोध और इसी बीच हो गई मारपीट और दो लोग हुए घायल, वही फसल काटने से ग्रामीणों को रोकने पहुंचे पुलिस वालों पर भी हुआ पथराव इसके बाद सूरजपुर से पुलिस बल मंगवाया गया और उसके बाद फिर माहौल को शांत करने का प्रयास किया गया। वहीं घायलों का उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार सूरजपुर जिले के बसदई चौकी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत जूर में स्थित 97 एकड़ शासकीय भूमि में से 35 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण हटाने को लेकर जमकर विवाद हुआ, दो लोगों को आई गंभीर चोट, ग्राम पंचायत जूर में शासकीय भूमि पर गाँव का ही पन्ने लाल साहू लगभग 35 एकड़ को कब्जा कर लिया है और उसे पर गुंडागर्दी करते हुए जबरदस्ती जमीन पर खेती कर रहा है जिसे लेकर ग्रामीण कई बार राजस्व विभाग के अधिकारियों को शिकायत की उसके बावजूद भी राजस्व विभाग के अधिकारी इस मामले पर संज्ञान नहीं लिए, इसके बाद ग्रामीण खुद ही यह निर्णय लिया कि मंगलवार को खुद जाकर खेत में लगे फसल को कटेंगे और शासकीय भूमि को कब्जा मुक्त करेंगे, जिसके लिए ग्रामीणों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी और मुनादी भी कराया इसके बाद जाकर मंगलवार को खेतों में लगे फसल को काटने लगे जिस पर कब्जाधारी का परिवार जाकर विवाद करने लगा और मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई, जिसमें दो लोग घायल हो गए वहीं ग्रामीणों में इतना आक्रोश था की फसल काटने से रोकने वाले पुलिसकर्मियों पर भी पथराव करने लगे। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि शासकीय गोचर भूमिका यह मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है जबकि इस भूमि में न्यायालय द्वारा किसी भी प्रकार का फसल उत्पादन या अन्य कार्य न करने का आदेश जारी किया गया है। गोचर मद की भूमि पर धान की खेती कर रहा है जिसको लेकर सभी ग्रामीण विरोध कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने लगाया से आरोप

गांव में तनाव पूर्ण स्थिति को संभालने हेतु मौके पर एसडीएम सागर सिंह, एडिशनल एसपी संतोष महतो सहित पुलिस व राजस्व अमला मौके पर मौजूद रहा। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन हमारे आवेदन पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। यही कारण है कि ग्राम पंचायत के सभी लोग एक मत होकर फसल काटकर अतिक्रमण हटाने का निर्णय लिए हैं। वहीं दूसरी ओर प्रशासन का कहना है कि कुछ अतिक्रमणकारियों के पास पट्टे हैं और मामला वर्तमान में उच्च न्यायालय व रेवेन्यू बोर्ड में लंबित होने से प्रशासनिक दखल नहीं दिया जा सकता।

पटवारी की कार का तोड़ा शीशा

कथित अतिक्रमणकारियों द्वारा लाठी-डंडे से हमला किए जाने से ग्रामीण उग्र हो गए। उन्होंने मौके पर मौजूद पटवारी ओम प्रकाश नेताम की कार का शीशा तोड़ दिया। पटवारी ने कार स्टार्ट कर पुलिस बल की ओर भागकर अपने आप को सुरक्षित किया।

हाईकोर्ट में दर्ज है मामला

भैयाथान एसडीएम सागर सिंह का कहना है कि वर्तमान में बेजा कब्जाधारियों के नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज हैं। पट्टा निरस्त करने हेतु मामला उच्च न्यायालय व रेवन्यू बोर्ड में लंबित है।

लाठी-डंडे से हमला

भैयाथान विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत जूर में लगभग 95 एकड़ गौचर भूमि पर कब्जा कर लगाई गई फसल को ग्रामीणों द्वारा एकजुट होकर काटने के दौरान कथित अतिक्रमणकारियों ने उन पर लाठी-डंडे से हमला कर दिया। इससे दो पुरूष व दो महिलाएं घायल हो गए। इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं इस घटना को लेकर गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई, बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात रही। सूरजपुर जिले के भैयाथान ब्लॉक अंतर्गत ग्राम जूर में 95 एकड़ गौचर भूमि पर ग्राम के ही कुछ लोग 15 से 20 वर्ष पूर्व से घर व खेत बनाकर खेती कर रहे हैं। इसके खिलाफ ग्राम पंचायत के निवासी बीच-बीच में बेजा कब्जा हटाने की कार्यवाही की मांग प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से करते रहे हैं। वर्तमान में भी फसल जब्ती करने हेतु ग्रामीणों द्वारा तहसीलदार, एसडीएम व कलेक्टर से गुहार लगाई गई थी। लेकिन कोई कार्रवाई न होता देख ग्रामीणों ने अंतिम आवेदन सौंपकर 22 अक्टूबर को कथित रूप से कथित रूप से अतिक्रमित भूमि पर लगाए गए धान काटने की तिथि निश्चित कर ली। गौचर भूमि से कब्जे को हटाने के लिए ग्राम पंचायत के ग्रामीण इस घटना के पूर्व कई बार आंदोलन, भूख हड़ताल सहित अधिकारी व नेताओं से निवेदन कर चुके हैं। समाधान नहीं होता देख ग्रामीणों ने खुद ही फसल काटकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने का कदम उठाया है।

गांव में मुनादी कराकर फसल काटने पहुंचे

बाकायदा ग्रामीणों ने 21 अक्टूबर की रात पूरे गांव में मुनादी कराकर फसल काटने के लिए आने को कहा, साथ ही यह भी कहा गया कि जो नहीं आएगा, उसके ऊपर जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद 22 अक्टूबर मंगलवार की सुबह ग्रामीणों ने एकजुट होकर फसल काटना शुरू कर दिया। वहीं इसकी सूचना मिलने पर एसडीएम सागर सिंह राजस्व अमले के साथ सुबह मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझाइश देने का प्रयास किया लेकिन वे कुछ भी सुनने को तैयार नहीं थे। माहौल न बिगड़े इस हेतु पुलिस बल भी मौके पर बुला लिया गया। शुरूआत में सब कुछ शांतिपूर्वक चल रहा था, लेकिन कुछ समय बाद कथित अतिक्रमणकारी धान काट रहे ग्रामीणों को लाठी-डंडे से मारने लगे। इससे स्थिति तनाव पूर्ण हो गई। मारपीट में सुरेश साहू, सुरेंद्र साहू व दो महिलाओं को काफी चोटें आई। इन्हें तत्काल जिला अस्पताल भर्ती कराया गया।

शिक्षक संघर्ष मोर्चा ने धरना दे,रैली निकाल सौंपा ज्ञापन

शिक्षक मोर्चा की प्रमुख मांग निम्न है...

1- मोदी की गारंटी में वर्णित वेतन विसंगति दूर करने।

2 - संविलियन पूर्व सेवा गणना कर पुरानी पेंशन, क्रमोन्नति व समयमान का लाभ प्रदान करने।

3- क्रमोन्नति हेतु हाईकोर्ट के निर्णय आधार प्रथम नियुक्ति के आधार पर शिक्षक स्कसंवर्ग के क्रमोन्नति पात्र समस्त शिक्षकों के लिए जनरल आदेश जारी करने की मांग।

4- रिक्त सभी पदों पर पदोन्नति करने

5- केंद्र के बराबर देय तिथि से महंगाई भत्ता प्रदाय करते एवं लंबित तीन प्रतिशत महंगाई जल्द प्रदाय करने।

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले जिले भर के एलबी संवर्ग के शिक्षक अपने पांच सूत्रीय मांगों को लेकर नया बस स्टैण्ड सूरजपुर में धरना प्रदर्शन कर रैली निकाला एवं कलेक्टर कार्यालय के सामने कलेक्टर के प्रतिनिधि को मांग का पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। शिक्षक एल बी संवर्ग पूरे प्रदेश में वेतन विसंगति, पूर्व सेवा गणना सहित अन्य मांगो को लेकर आंदोलन का शंखनाद कर दिया है सभी शिक्षक जिला में अवकाश लेकर जिला मुख्यालय में अपनी मांगो के समर्थन में धरना प्रदर्शन कर रैली किया । शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रदेश उपसंचालक रंजय सिंह,अजय प्रताप सिंह, मुकेश मुदलियार ने बताया कि प्रदेश के शिक्षकों ने शिक्षक संघर्ष मोर्चा के नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए सामूहिक अवकाश लेकर प्रांतव्यापी जिलास्तरीय धरना प्रदर्शन किया है जिसमें एल बी संवर्ग के सभी सहायक शिक्षक, विज्ञान सहायक, प्रधानपाठक (प्राथमिक/ माध्यमिक), संकुल समन्वयक, शिक्षक, लाइब्रेरियन, व्याख्याता, प्रभारी प्राचार्य सम्मलित हुए । शिक्षक संघर्ष मोर्चा के जिला संचालक भूपेश सिंह, यादवेंद्र दुबे, विजय साहू ने बताया कि प्रदेश के शिक्षक अपनी लड़ाई शिक्षक मोर्चा के नेतृत्व में लड़ रहे है यह वही नेतृत्व है जिसने शासकीय शिक्षक बनने तक का संघर्ष किया है। 500 रुपये की तनख्वाह से सातवे वेतनमान दिलाने तक संघर्ष किया है। यह वही नेतृत्व है जिसने बिना विभाग के कर्मचारी होने के तमगा से शासकीय शिक्षक के गौरव प्राप्त करने का अवसर दिया है,आगे भी इसी के नेतृत्व में हमारी मांगे पूर्ण होगी।

महाविद्यालय तथा नवीन कन्या महाविद्यालय में जनजाति गौरव कार्यक्रम हुआ संपन्न

-संवाददाता-
सूरजपुर,24 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय रेवती रमण मिश्रा स्नातकोत्तर महाविद्यालय सूरजपुर तथा शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के संयुक्त तत्वावधान में ''जनजातीय समाज का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान'' विषय पर कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती किरण केराम, मुख्य वक्ता के रूप में राम लखन पैकरा, विशिष्ट अतिथि के रूप में संत सिंह, अजय इंगोले, श्रीमती शांति सिंह तथा श्रीमती किरण खेस ने सारगर्भित विचार प्रकट किए। कार्यक्रम की शुरुआत राजकीय गीत तथा जनजातीय विभूतियों के छायाचित्र में माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन देते हुए संस्था के प्राचार्य डॉक्टर एच एन दुबे ने जनजातीय समाज के ऐतिहासिक योगदान विषय पर व्यापक प्रकाश डाला। इसके उपरांत मुख्य वक्ता श्री राम लखन पैकरा तथा श्री अजय इंगोले जी ने जनजाति समाज के ऐतिहासिक, सामाजिक, आध्यात्मिक तथा आर्थिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इतिहास में दर्ज जनजातीय समाज के अनेक वीर पुरुषों के देशभक्ति, त्याग, बलिदान, समर्पण के उच्च मानवीय गुणों को आत्मसात करने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने जनजाति समाज में प्रचलित कर्मा नृत्य एवं सुआ नृत्य का मनमोहक मंचन किया । साथ ही विद्यार्थियों द्वारा जनजाति समाज में प्रचलित विभिन्न प्रकार के व्यंजन जैसे फरा, तीखुर, गुलगुला ,भजिया, खुरमी का स्टाल के माध्यम से प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत करके उनका प्रोत्साहन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर रश्मि पांडे ने किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष यशवंत सिंह ने उपस्थित विद्यार्थियों को आदिवासी समाज के वीर नायकों के गुणों को अनुकरण करने के लिए प्रेरित करते हुए आभार प्रदर्शन किया। राष्ट्रगान के गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर शासकीय कन्या महाविद्यालय सूरजपुर के प्राचार्य बृजलाल साहू एवं दोनों महाविद्यालय के प्राध्यापक प्रतिभा कश्यप, डॉ अखिलेश द्विवेदी, डॉ विकेश झा, टी आर राहंगडाले , डॉ विनोद कुमार साहू, दीपचंद एक्का, अनिल चक्रधारी ,रोहित सेठ, पुनीत गुप्ता तथा कार्यक्रम के संयोजक द्वय आनंद कुमार पैकरा एवं दिग्विजय सिंह ,सह संयोजक द्वय डॉक्टर सलीम किस्पोट्टा तथा सुश्री पूजांजली भगत सहित समस्त अधिकारी , कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खेल की खबरें

स्पिन पिच पर कगिसो रबाडा की पेस का आतंक

नईदिल्ली,24 अक्टूबर 2024। ढाका के शेर ए बांग्ला स्टेडियम में साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच खेला गया। बारिश से प्रभावित रहे इस मैच को साउथ अफ्रीका ने चौथे दिन के पहले ही सत्र में हरा दिया। साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से जीत दर्ज कर 2 मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। साउथ अफ्रीका की इस जीत में तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का अहम योगदान रहा.एशियाई देशों की पिच अधिकांशतः स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल होती हैं. बांग्लादेश की पिच भी स्पिन फ्रेंडली ही होती है. लेकिन एक तेज गेंदहाज की क्षमता क्या होती है वो साउथ अफ्रीकी गेंदबाज कगिसो रबाडा ने दिखाया। रबाडा ने इस स्पिन पिच पर घातक गेंदबाजी करते हुए 9 विकेट झटके और टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

मीर हमजा कराची में पुनर्वास के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम से बाहर

मुल्तान,24 अक्टूबर 2024। पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज मीर हमजा को कराची में पुनर्वास जारी रखने की अनुमति देने के लिए अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट के पहले दिन यह घोषणा की।

सुंदर-अश्विन के कमाल से टीम इंडिया ने रचा कीर्तिमान

» भारत में 51 साल बाद सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

पुणे,24 अक्टूबर 2024। पुणे में भारत और न्यूजीलैंड आमने-सामने हैं। दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। पुणे टेस्ट में मेहमान कीवी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पहले टेस्ट के निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेते हुए टीम इंडिया के स्पिन गेंदबाजों ने इस बार कमाल का प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड को पहले ही दिन 259 रनों पर ढेर कर दिया।

न्यूजीलैंड के पहले 3 विकेट आर अश्विन ने झटके और इसके साथ ही वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में नाथन लियोन को पछाड़कर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अश्विन को वाशिंगटन सुंदर का बेहतरीन साथ मिला। पुणे टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में भारतीय टीम ने बड़ा बदलाव करते हुए वाशिंगटन सुंदर को मार्च 2021 के बाद पहली बार मौका दिया। वाशिंगटन सुंदर ने इस शानदार मौके को भुनाते हुए कमाल ही कर दिया। उन्होंने रचिन रवींद्र के रुप में अपना पहला शिकार किया और इस तरह उन्होंने 1329 दिन के बाद अपना पहला विकेट हासिल करने में कामयाबी हासिल की। इसके बाद तो उन्होंने विकेट की झड़ी ही लगा दी। सुंदर ने अकेले ही न्यूजीलैंड के 7 बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया।

भारतीय स्पिनरों ने रच दिया इतिहास

भारत के 2 स्पिनर आर अश्विन और वाशिंगटन सुंदर ने मिलकर पूरी कीवी टीम को ढेर कर दिया। इस तरह भारतीय सरजमीं पर नया कीर्तिमान बन गया। दरअसल, भारत में ऐसा छठी बार हुआ है जब टेस्ट मैच के पहले दिन पहली पारी में सभी 10 के 10 विकेट स्पिनरों ने झटके हैं। साल 1973 के बाद भारतीय सरजमीं पर ऐसा दूसरी बार हुआ है। इस साल धर्मशाला में खेले गए टेस्ट मैच में भी भारतीय स्पिनरों ने पहले दिन इंग्लैंड के 10 विकेट स्पिनरों ने चटकाए थे। एक ही साल के भीतर दूसरी बार ये कमाल कर भारतीय स्पिनरों ने नया इतिहास रच दिया है।

भारतीय सरजमीं पर टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में जब सभी 10 विकेट स्पिनर ने चटकाए

भारत बनाम न्यूजीलैंड, पुणे 2024
भारत बनाम इंग्लैंड, धर्मशाला 2024
भारत बनाम इंग्लैंड, चेन्नई 1973
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई 1964
भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, कोलकाता 1956
इंग्लैंड बनाम भारत, कानपुर 1952

दोनों टीमों की प्लेइंग 11

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, वाशिंगटन सुदंर, जसप्रीत बुमराह, अकाश दीप।

न्यूजीलैंडः टॉम लेथम (कप्तान), डेवोन कॉन्वे, विल यंग, रचिन रवींद्र, डेरिल मिचेल, टॉम ब्लंडल (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सेंटनर, टिम साउदी, एजाज पटेल, विलियम ओ रोर्के।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने आर.अश्विन

पुणे,24 अक्टूबर 2024। भारत के स्टार ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन गुरुवार को पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। अश्विन ने पहले दिन के शुरुआती सत्र में न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम, सलामी बल्लेबाज विल यंग और डेवोन कॉनवे को आउट करके यह उपलब्धि हासिल की। इन तीन विकेटों के साथ, अश्विन ने 2019 से 2024 तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के इतिहास में 39 मैचों में 189 विकेट लिए हैं और ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन को पीछे छोड़ दिया है, जिनके नाम 43 टेस्ट में 187 विकेट हैं। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस 42 मैचों में 175 विकेट लेकर तीसरे स्थान पर हैं। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 30 मैचों में 124 विकेट लेकर सातवें स्थान पर हैं।

अश्विन ने अब तक 104 मैचों में 24 से कम की औसत से 530 विकेट लिए हैं, जो उन्हें भारत की सर्वकालिक टेस्ट विकेट लेने वाली सूची में दूसरे स्थान पर रखता है, जो कि केवल दिग्गज अनिल कुंबले से पीछे है, जिन्होंने 619 विकेट लिए हैं।

अपनी शानदार गेंदबाजी के अलावा, इस ऑलराउंडर ने 26.44 की औसत से 3,438 रन बनाए हैं, जिसमें छह शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं।

भारत को ऑस्ट्रेलिया में जीत के लिए बुमराह, सिराज और शमी जैसे तेज गेंदबाजों की जरूरत

नई दिल्ली,24 अक्टूबर 2024। ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि अगर भारत को इस साल ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतनी है, तो उन्हें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और शीर्ष फॉर्म में चल रहे मोहम्मद शमी जैसे तेज गेंदबाजों की जरूरत है। बुमराह और सिराज लगातार भारत के लिए खेल रहे हैं, जबकि शमी ने पिछले साल घरेलू वनडे विश्व कप के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, क्योंकि वह अकिलीज़ टेंडन की चोट से उबर रहे हैं, जिसके लिए इस साल लंदन में सर्जरी की जरूरत थी।

जॉर्डन कॉक्स,रेहान अहमद कैरेबियाई दौरे के लिए इंग्लैंड की टीम में शामिल

लंदन,24 अक्टूबर 2024। विकेटकीपर बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स और गेंदबाजी ऑलराउंडर रेहान अहमद को 31 अक्टूबर से एंटीगा में शुरू होने वाले कैरेबियाई दौरे के लिए इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम में शामिल किया गया है।

कॉक्स ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड की टी20 सीरीज में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, वह कैरेबियाई दौरे में शामिल होने से पहले रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन के अंत के बाद यूके के लिए उड़ान भरेंगे।

उम्मीद है कि वह तीनों वनडे मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, लेकिन उसके बाद के टी20 चरण के लिए नहीं, क्योंकि वह न्यूजीलैंड के अगले टेस्ट दौरे की तैयारी करेंगे। रेहान, जो पाकिस्तान के खिलाफ चल रहे टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में भी शामिल हैं, मैच के अंत में व्हाइट-बॉल टीम में शामिल होंगे।

नियमित कप्तान जोस बटलर की अनुपस्थिति में, जो पिंडली की चोट से उबरने में थोड़ी परेशानी के कारण मैच से बाहर हो गए हैं, ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे।

इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम- जोस बटलर (कप्तान, केवल टी20), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, जाफर चौहान, जॉर्डन कॉक्स, सैम करन, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन (वनडे कप्तान), साकिब महमूद, डैन मूसली, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

रानी रामपाल ने की संन्यास की घोषणा

नईदिल्ली,24 अक्टूबर 2024। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने गुरुवार को संन्यास की घोषणा करके अपने 16 साल के करियर का अंत कर दिया।उन्होंने अपने करियर में कई बड़ी उपलब्धियां अपने नाम की हैं और देश का नाम भी पूरी दुनिया में रोशन किया है। रानी के पिता ठेला खींचने का काम करते थे और वह अपने करियर के दौरान हरियाणा के एक छोटे से शहर से निकलकर लोगों के लिए प्रेरणा बनीं। रानी की अगुवाई में भारतीय महिला हॉकी टीम 2021 में टोक्यो खेलों के दौरान ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया।

गुजरात टाइटंस ने किया कंफर्म, 2 खिलाड़ियों को करेगी रिटेन

नईदिल्ली,24 अक्टूबर 2024। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मेगा नीलामी से पहले गुजरात टाइटंस किन दो खिलाड़ियों को रिटेन करने जा रही है उसे लेकर टीम ने बड़ा संकेत दे दिया है. टीम ने अपने सोशल मीडिया हैंडस एक्स के माध्यम से दोनों खिलाड़ियों की तस्वीर पोस्ट करते हुए उनके रिटेंशन के संकेत दिए हैं.

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले जीटी अपने दो सबसे बड़े खिलाड़ियों कप्तान शुभमन गिल और उपकप्तान राशिद खान को रिटेन कर सकती है. जीटी से अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इन दोनों खिलाड़ियों के साथ वाली तस्वीर पोस्ट करते हुए इनके रिटेंशन के संकेत दिए हैं. इन दो खिलाड़ियों के अलावा तीसरे खिलाड़ी के रुप में जीटी किसे रिटेन करेगी इसका कोई संकेत नहीं मिल सका है.

शुभमन गिल और राशिद खान टीम के साथ पहले सीजन यानी आईपीएल 2022 से ही जुड़े रहे हैं और टीम की पिछली 3 साल की सफलताओं में इनका अहम योगदान रहा है.

कोरियोग्राफर जानी मास्टर को तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली राहत

यौन शोषण मामले में गिरफ्तार किए गए जानी मास्टर को तेलंगाना हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। जाने-माने कोरियोग्राफर जानी मास्टर पर उनके साथ काम करने वाली एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था। ये खबर मिलने के बाद तीन अलग-अलग टीमें नेल्लोर, गोवा और बेंगलुरु भेजी गई थीं। आखिरकार उन्हें पुलिस ने उन्हें पिछले महीने बेंगलुरु में गिरफ्तार कर लिया। रायदुर्गम पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर जीरो एफआईआर दर्ज की और उसे नरसिंगी पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया, जहां वह रहती है।पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया। इस बीच, तेलुगु फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा गठित एक पैनल ने भी जानी मास्टर के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच शुरू कर दी। बाद में तेलंगाना राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नेरेला शारदा ने कहा कि मामले में शिकायतकर्ता ने आयोग से संपर्क किया है। नेरेला ने उन्हें कार्रवाई और पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने का आश्वासन दिया। आयोग ने पैनल की ओर से आवश्यक मदद भी की। इन सबके बाद उनके खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत एक लड़की ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, जिसके बाद वह 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं।

21 साल की लड़की संग किया दुष्कर्म

दरअसल, हैदराबाद के रायदुर्गम पुलिस स्टेशन में जानी मास्टर के खिलाफ अपनी सहयोगी के साथ रेप करने का केस दर्ज हुआ। 21 साल की पीड़िता ने जानी मास्टर पर 6 साल तक यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। पीड़िता ने बताया कि, जब कोरियोग्राफर ने उन्हें हैरेस किया, तब वह 16 साल की थीं। इसी कारण पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ और 19 सितंबर को उन्हें गोवा से गिरफ्तार कर लिया गया।

20 साल में कितना बदल गई शाहरुख खान की गीता

2004 में आई आशुतोष गोवारिकर की फिल्म स्वदेश को शाहरुख खान की बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जाता है। बॉलीवुड के सुपरस्टार को इस फिल्म में आम आदमी की तरह पेश किया गया था। किंग खान का कोई भी किरदार ऐसा नहीं होता है जो लोगों पसंद न आए। वह हर रोल में दर्शकों का दिल जीत लेते हैं। ये फिल्म अपनी कहानी की वजह से उस समय खूब चर्चा में रही है। इसमें शाहरुख खान के साथ गायत्री जोशी लीड रोल में थीं। मॉडल से एक्ट्रेस बनीं गायत्री जोशी ने अपनी पहली फिल्म के बाद ही इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया। स्वदेश से बॉलीवुड में धूम मचाने वाली ये एक्ट्रेस 20 साल में पूरी तरह बदल चुकी हैं।

गायत्री जोशी ने बॉलीवुड क्यों छोड़ा?

गायत्री जोशी ने मॉडल के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने साल 1999 फेमिना मिस इंडिया सौंदर्य प्रतियोगिता में अंतिम पांच उम्मीदवारों में से एक थीं। वहीं साल 2000 में फेमिना मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद स्वदेश से बॉलीवुड में डेब्यू किया। यह देखते हुए कि उन्होंने शाहरुख खान के साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। इससे फिल्म इंडस्ट्री में उन्हें कई और फिल्मों के ऑफर मिलने लगे, लेकिन गायत्री इस फिल्म के बाद ग्लैमर इंडस्ट्री से कोसों दूर हो गई। फिल्म की रिलीज के कुछ ही हफ्तों बाद गायत्री ने बिजनेसमैन विकास ओबेरॉय से शादी कर ली और अपने अभिनय करियर को अलविदा कह दिया। इस तरह स्वदेश उनकी एकमात्र फिल्म बन गई। गायत्री टीवी के कई कर्मशियल्स में भी नजर आ चुकी थीं।

शादी के बाद ऐसा बीता रही जिंदगी

गायत्री जोशी के हसबैंड विकास ओबेरॉय ओबेरॉय रियल्टी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। 46 साल की ये अभिनेत्री अपने पति विकास और दो बच्चों के साथ मुंबई में रहती हैं। एक्ट्रेस न सिर्फ फिल्मी दुनिया से दूर हुई हैं बल्कि सोशल मीडिया पर भी एक्टिव नहीं है। गायत्री जोशी आज अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी जिंदगी बिता रही हैं।

मेरे ऊपर शराब फेंकी,बहुत मारा

बिग बॉस 18 से बाहर आने के बाद हेमा शर्मा ने किए बड़े खुलासे, एक्स पति का खोला काला चिट्ठा

हाल ही में बिग बॉस 18 के घर से बाहर निकलीं हेमा शर्मा के एक्स हसबैंड गौरव सक्सेना ने उन पर 2.5 करोड़ रुपए के फ्लैट की मांग करने और बेटे से दूर रखने का आरोप लगाया था। उन्होंने एक्ट्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए हलचल मचा दी है। सलमान खान के शो से बाहर होने वाली हेमा पहली महिला कंटेस्टेंट हैं। दबंग 3 फेम हेमा जिन्हें वायरल भाभी के नाम से भी जाना जाता है। उन्होंने अब उनके ऊपर लगे इन गंभीर आरोपों के बारे में खुलासा किया है और सच्चाई बताई है। इतना ही नहीं हेमा शर्मा ने अपने एक्स पति गौरव की काली करतूत भी जग-जाहिर कर दी है।

हेमा शर्मा हुईं घरेलू हिंसा का शिकार

टेली मसाला से बातचीत में हेमा ने एक्स पति गौरव के बारे में चौंकाने वाले खुलासे किए और बताया कि उनके ऊपर क्या-क्या जुलम हुए हैं। बिग बॉस 18 फेम हेमा शर्मा ने यह भी खुलासा किया कि गौरव का उनके बड़े बेटे यश के साथ कैसा व्यवहार था और वह उसे घर से बाहर निकालने वाले थे। हेमा कहती हैं, जब मैं प्रेग्नेंट थी तब मैं अलीगढ़ में 7 महीने रह कर आई हूं और वहां पर मेरे साथ मारपीट हुई। कौनसी तारीख पे मारा गया वो भी मैंने अपनी डायरी में लिखा हुआ है। मुझे नहीं पता था कि ये जो हेमा की कहानी मेरा यूट्यूब है। इस पर भी मुझे ऐसा कुछ बताना पड़ेगा, लेकिन मुझे पता था कि हेमा तेरी जिंदगी इतनी नॉर्मल नहीं है, मेरे मुंह पर शराब फेंक गई है, ठुकरा दिया गया, शहर-डेट सब लिखा हुआ है।

मां-बेटे को किया टॉर्चर

ये सब क्या साजिश थी? इसके बारे में आगे बोलते हुए दबंग 3 एक्ट्रेस ने आगे बताया, अलीगढ़ में मेरा बहुत बुरा अनुभव रहा है। मुझे और मेरे बड़े बेटे को धक्के मार के घर से बाहर निकलने वाली बात सबके सामने आ गई। मेरे बड़े बेटे को बहुत टॉर्चर किया गया। हम दोनों को इतना टॉर्चर किया गया कि मैं डिप्रेशन में चली गई थी। सितंबर 2022 के महीना की बात है। मैंने खुद फिर गूगल से डॉक्टर का पता निकाला और मैं डॉक्टर के पास चली गई। मैंने उनसे कहा की मैं खुदकुशी नहीं चाहती हूं क्यू की मैं अपने बच्चे की जिंदगी खराब नहीं कर सकती।

हेमा शर्मा ने खोला पति का काला चिट्ठा

रोते हुए एक्ट्रेस ने कहा, आप अगर मेरे सामने मेरे बेटे को गंदी नाली का कीड़ा, गंदा खून, भिखारी की औलाद, बोल रहे हैं तो जरा सोचे मुझे कैसे लग रहा होगा। मुझे ऐसा लग रहा था कि हेमा को तू ने चुना लेकिन सजा इस 12 साल के बच्चे को मिल रही है। इन्होंने मुझे अलीगढ़ में बहुत टॉर्चर दिया। इनके रिश्तेदारों के सामने मुझे मारा, मेरा जो ससुराल है वहां पे मारा और किसी ने ये नहीं बोला कि तूने जब शादी की है तो मारता क्यों है? मारने का अधिकार किसने दिया है? पति को लगा कि शादी कर ली तो मुझ पर एहसान कर दिया? क्यों? मैं सड़क पर बैठी थी? भीख मांग रही थी क्या मैं? बोला शादी की है मैंने तेरे से एहसान मान... तेरा तो पहली शादी से बच्चा भी नहीं हो रहा था। हर बात का सबूत है मेरे पास।

छत्तीसगढ़ शासन
सत्यमेव जयते

माता शबरी की भक्ति और
भगवान राम के आदर्शों से पावन,
माँ कौशल्या की धरा छत्तीसगढ़ में आपका स्वागत है

25-26 अक्टूबर

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
भारत की माननीय राष्ट्रपति
के करकमलों से महतारी वंदन योजना की
9वीं क़िस्त का अंतरण

प्रदेश की 70 लाख महिलाओं
को दीपावली से पहले
खुशियों का नोटिफिकेशन

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

संवाद 41925/49

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)